● सीधी, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 132, पृष्ठ : 08, सीधी, गुरूवार, 20 जून 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

देवेन्द्र फडणवीस नहीं देंगे इस्तीफा 5

भारतीय टीम के लिए खतरे की घंटी... 6

भारत शिक्षा अभियान का केन्द्र बनेगा : पीएम

पीएम मोदी ने नालंदा विवि के नये परिसर का किया उद्घाटन

नालंदा। बिहार के नालंदा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मुझे तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ग्रहण करने के बाद पहले 10 दिनों में ही नालंदा आने का अवसर मिला है। यह मेरा सौभाग्य तो है ही, मैं इसे भारत की विकास यात्रा के एक शुभ संकेत के रूप में देखता हूं। उन्होंने कहा कि नालंदा केवल एक नाम नहीं है। नालंदा एक पहचान है, एक सम्मान है। नालंदा एक मूल्य है, मंत्र है, गौरव है, गाथा है। नालंदा इस सत्य का उद्घोष है कि आग की लपटों में पुस्तकें भले जल जाएं, लेकिन आग की लपटें ज्ञान को नहीं मिटा सकतीं।

पीएम मोदी ने कहा कि तीसरे कार्यकाल की शपथ लेने के कुछ ही दिनों बाद नालंदा आने का अवसर मिला, यह मेरा सौभाग्य है। यह स्वर्णिम युग की शुरुआत है। हम सभी जानते हैं कि नालंदा कभी भारत की परंपरा और पहचान का जीवंत केंद्र हुआ करता था। शिक्षा को लेकर यही भारत की सोच रही है। शिक्षा ही हमें गढ़ती है, विचार देती है और उसे आकार देती है। प्राचीन नालंदा में बच्चों का प्रवेश उनकी पहचान, उनकी राष्ट्रीयता को देख कर नहीं होता था। हर देश हर वर्ग के युवा यहां पर हैं। नालंदा विश्वविद्यालय के इस नए परिसर में हमें उसी प्राचीन व्यवस्था को फिर से आधुनिक रूप में मजबूती देनी है और मुझे ये देख कर खुशी है कि दुनिया के कई देशों से आज यहां कई विद्यार्थी आने लगे हैं। अपने प्राचीन अवशेषों के पास नालंदा का नवजागरण, ये नया कैंपस विश्व को भारत के सामर्थ्य का परिचय देगा।

नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नालंदा बताएगा जो राष्ट्र, मजबूत मानवीय मूल्यों पर खड़े होते हैं, वे राष्ट्र इतिहास को पुनर्जीवित करके बेहतर भविष्य की नींव रखना जानते हैं। नालंदा केवल भारत के ही अतीत का पुनर्जागरण नहीं है। इसमें विश्व के, एशिया के कितने ही देशों की विरासत जुड़ी हुई है। नालंदा यूनिवर्सिटी के पुनर्निर्माण में हमारे साथी देशों की भागीदारी भी रही है। मैं इस अवसर पर भारत के सभी मित्र देशों का अभिनंदन करता हूं।

नालंदा विश्वविद्यालय कैंपस के लोकार्पण पर पीएम मोदी ने 19 जून यानी आज बुधवार को कहा कि प्राचीन नालंदा में बच्चों का नामांकन उनकी पहचान, उनकी राष्ट्रीयता को देखकर नहीं होता था। हर देश, हर वर्ग के युवा यहां आते थे। नालंदा विश्वविद्यालय के इस नए कैंपस में हमें उसी प्राचीन व्यवस्था को फिर से मजबूती देनी है। दुनिया के कई देशों से यहां विद्यार्थी आने लगे हैं। यहां नालंदा में 20 से ज्यादा देशों के विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं। ये वसुधैव कुटुंबकम की भावना का कितना सुंदर प्रतीक है।

2024 से लागू करें डिजिटल क्रॉप सर्वे परियोजना : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने उच्च स्तरीय बैठक में परियोजना पर चर्चा कर दिए निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि खरीफ-2024 से कृषक हित में डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण परियोजना का क्रियान्वयन पूरे प्रदेश में किया जाए। इस परियोजना में किसान बंधु नवीन तकनीक से अपनी गिरदावरी को देख सकेंगे। यही नहीं फसल नुकसान की दशा में किसानों को बीमा राशि भी अविलंब प्राप्त हो जाएगी। परियोजना में सैटेलाइट इमेज द्वारा संभावित फसल की जानकारी भी प्राप्त की जा सकेगी। इससे किसानों को उपार्जन में सहायता मिलेगी साथ ही किसान क्रेडिट कार्ड भी तत्काल स्वीकृत करने में आसानी होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार रात्रि को मुख्यमंत्री निवास में हुई एक बैठक में डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण परियोजना के संबंध में चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा एवं प्रमुख सचिव राजस्व श्री निकुंज श्रीवास्तव से परियोजना के संबंध में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने परियोजना की सराहना करते हुए इसके क्रियान्वयन से जुड़ी प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए।

डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण परियोजना द्वारा ग्राम में उपलब्धि स्थानीय युवा के माध्यम से नवीन तकनीक (जियो फेंस) का उपयोग कर कराया जाएगा। खेत में जाकर फसल का फोटो खींचने की प्रक्रिया आसानी से पूर्ण हो जाएगी। सर्वेयर द्वारा खींची गयी फ़ोटो की जियो टैगिंग भी होगी, अत: अनिवार्य रूप से खेत में जाकर क्रॉप सर्वे करना होगा और साक्ष्य के रूप में फसल की फ़ोटो भी उपलब्ध रहेगी। इससे कृषक भी अपनी गिरदावरी को देख सकेंगे और आपत्ति भी दर्ज कर सकेंगे।

कैबिनेट फैसला, 14 खरीफ फसलों की एमएसपी को मंजूरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अपने तीसरे कार्यकाल की दूसरी कैबिनेट मीटिंग बुलाई। मीटिंग में कई बड़े फैसले लिए गए हैं। कैबिनेट के फैसलों के बारे में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने धान, रागी, बाजरा, ज्वार, मक्का और कपास समेत खरीफ की 14 फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मंजूरी दे दी है। अश्विनी वैष्णव ने कहा 'आज कैबिनेट में किसान कल्याण के लिए बहुत महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है। खरीफ फसल के लिए 14 फसलों पर कैबिनेट ने एमएसपी को मंजूरी दी है। धान का नया एमएसपी 2,300 रुपये किया गया है, जो पिछले एमएसपी से 117 रुपए अधिक है।'

खरीफ की फसलों के नए एमएसपी पर अश्विनी वैष्णव ने बताया 'आज के फैसले से किसानों को एमएसपी के तौर पर करीब दो लाख करोड़ रुपये मिलेंगे। यह पिछले सीजन से 35000 करोड़ रुपये अधिक है।

कैबिनेट ने 2024-25 खरीफ फसल सीजन के लिए धान के एमएसपी में 117 रुपये से 2,300 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि को मंजूरी दी। कैबिनेट ने धान, रागी, बाजरा, ज्वार, मक्का और कपास सहित 14 खरीफ सीजन की फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मंजूरी दी है। सरकार की ओर से 2 लाख गोदाम बनाने का काम किया जा रहा है। कैबिनेट ने 2024-25 खरीफ फसल सीजन के लिए धान के एमएसपी में 117 रुपये से 2,300 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि को मंजूरी दी। पीएम मोदी का तीसरा कार्यकाल बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह किसानों के कल्याण के लिए कई निर्णयों के माध्यम से बदलाव के साथ निरंतरता पर केंद्रित है।

राहुल 54 साल के हुए, कांग्रेस मुख्यालय में जन्मदिन मनाया

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज 19 जून को अपना 54वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर राहुल गांधी ने दिल्ली स्थित कांग्रेस दफ्तर में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर केक भी काटा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी के कई अन्य नेताओं ने बुधवार को पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को उनके जन्मदिन के अवसर पर बधाई दी और उन्हें कमजोरों की आवाज, संविधान के प्रति अटूट आस्था रखने वाला तथा सत्ता को सच का आईना दिखाने वाला बताया।

किराए की बिल्डिंग छोड़ भागे कॉलेज संचालक

नर्सिंग घोटाला मामले में व्हिसल ब्लोअर ने सीबीआई को लिखी चिट्ठी

भोपाल। मध्य प्रदेश में बहुचर्चित नर्सिंग घोटाले में एक के बाद एक नई परतें खुल रही है। घोटाले की जांच कर रहे सीबीआई अफसरों की भ्रष्टाचार में संलिप्तता उजागर होने के बाद अब दिल्ली सीबीआई इस केस की बारीकी से निगरानी कर रही है। इसी बीच घोटाले के व्हिसलब्लोअर रवि परमार ने सीबीआई डायरेक्टर को पत्र लिखा है और कुछ बिंदुओं पर जांच के दौरान विशेष ध्यान देने की गुजारिश की है। उन्होंने कहा है कि किराए की बिल्डिंग पर नर्सिंग कॉलेज को चला रहे संचालक अब लगातार भाग रहे हैं।

सीबीआई के डायरेक्टर को संबोधित पत्र में व्हिसलब्लोअर परमार ने लिखा है कि फर्जी नर्सिंग कालेज संचालकों द्वारा एक ही बिल्डिंग में नर्सिंग, पैरामेडिकल, फार्मेसी, डीएड-बीएड और अन्य कोर्स भी संचालित किए जाते हैं निरीक्षण के दौरान इसकी पुष्टि करना अतिआवश्यक हैं। परमार ने पत्र में आगे लिखा है कि फर्जी नर्सिंग कालेज संचालकों द्वारा सीबीआई जांच के बाद व जांच के दौरान प्रदेश के कई नर्सिंग कॉलेज संचालक किराए की बिल्डिंग छोड़कर भाग गए। उन्होंने अपनी कॉलेज की बिल्डिंग बदल ली, लेकिन जिस बिल्डिंग में मध्यप्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल ने 2020-21, 2021-22, 2022-23 की मान्यता दी, उसकी जांच भी करना अतिआवश्यक हैं। क्योंकि फर्जी नर्सिंग कॉलेज संचालकों ने किराये के भवनों में कॉलेजों की मान्यता लेकर छात्र छात्राओं से करोड़ों रुपए की राशि फीस के रूप में वसूली हैं।

खड़गे ने लोकसभा स्पीकर, राज्यसभा अध्यक्ष को पत्र लिखा

नई दिल्ली। कांग्रेस प्रेसिडेंट मल्लिकार्जुन खड़गे ने संसद परिसर में महात्मा गांधी, बीआर अंबेडकर की मूर्तियों को पुरानी जगह लगाने की मांग करते हुए लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा अध्यक्ष को पत्र लिखा है। अपने पत्र में उन्होंने कहा है कि राष्ट्र के नेताओं की प्रतिमाएं मनमाने तरीके से संसद के एक कोने में रखवा दी गई हैं, इससे लोकतंत्र की भावना का उल्लंघन हुआ है। खड़गे ने कहा कि मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि इन प्रतिमाओं को बिना किसी से चर्चा किए मनमानी करते हुए हटाना लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है।

अभी जेल में ही रहेंगे सीएम केजरीवाल

दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अभी जेल में ही रहेंगे, सीएम केजरीवाल की न्यायिक हिरासत तीन जुलाई तक बढ़ा दी गई है।

इससे पहले अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया था। वहीं अदालत ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत भी 19 जून तक बढ़ा दी थी। शराब नीति मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत को बढ़ा दिया था। कोर्ट में दाखिल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरोप पत्र में कहा था कि राजधानी में शराब के व्यापार में निवेश करने की एवज में पंजाब के व्यापारियों से भी रिश्वत ली गई थी। उसने यह भी कहा था कि आम आदमी पार्टी (आप) शासित पंजाब के उन व्यापारियों को पड़ोसी राज्य में शराब कारोबार में निवेश नहीं करने दिया गया, जिन्होंने रिश्वत नहीं दी थी। पहली बार धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत किसी राजनीतिक पार्टी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई निर्धारित तारीख के अनुसार दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने आत्मसमर्पण कर दिया था।

विधानसभा में जनादेश मिला तो सत्ता संभालते ही दूर करेंगे किसानों की समस्याएं : पवार

मुंबई। महाराष्ट्र में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। इस लोकसभा चुनाव के बाद से सत्ता से दूर हो चुकी राजनीतिक पार्टियों को नई ऊर्जा मिली है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने विधानसभा चुनाव में जीत पर भरोसा जताया है। बुधवार को शरद पवार ने पुणे जिले की बारामती तहसील के नीरा वागज गांव में किसानों से बातचीत की। उन्होंने उनकी समस्या सुन अपनी विवशता बताते हुए कहा कि केंद्र और राज्य दोनों ही जगह हमारी सरकार नहीं है। लेकिन विधानसभा चुनाव नजदीक हैं।

उन्होंने कहा कि अगर सत्ता हमारे पास होती है तो हम किसानों की समस्या को हल करेंगे। उन्होंने कहा कि हमने देखा है कि लोकसभा चुनाव में किस तरह जनादेश मिला है। अगर राज्य विधानसभा चुनाव में भी ऐसा जनादेश मिलता है तो महाराष्ट्र की बागडोर हमारे हाथ में होगी। उन्होंने कहा, अगर राज्य सरकार की शक्ति हमारे हाथ में आ जाए तो किसानों की सभी समस्याएं हल हो सकती हैं। शरद पवार ने पुणे जिले में नीरा नदी के जल प्रदूषण पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि नदी के पानी को प्रदूषित करने में चीनी मिल की बड़ी भूमिका है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह इस मुद्दे को सुलझाने के लिए राज्य और केंद्र सरकारों से बात करेंगे। बता दें कि इस बार लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों पर चुनाव हुआ। जिसमें कांग्रेस ने 13 सीटें जीतीं, जो 2019 के मुकाबले काफी हैं। वहीं शिवसेना (यूबीटी) ने नौ और एनसीपी (एसपी) ने आठ सीटें जीतीं। आम चुनावों के लिए सीट बंटवारे में, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) को तीनों दलों में से सबसे ज्यादा सीटें मिली थीं, क्योंकि उसने 21 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उसके बाद कांग्रेस ने 17 और एनसीपी (एसपी) ने 10 सीटों पर चुनाव लड़ा था।

सोपोर में मुठभेड़, दो आतंकवादी मार गिराए, पुलिसकर्मी घायल, अभियान जारी

श्रीनगर। उत्तरी कश्मीर के बारामुला के सोपोर में बुधवार दोपहर सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस गोलीबारी में दो आतंकवादियों को सुरक्षाबलों ने ढेर कर दिया। हालांकि ऑपरेशन के दौरान एक जांबाज पुलिसकर्मी भी घायल हुआ। घायल जवान को तुरंत इलाज के अस्पताल ले जाया गया। अभी ऑपरेशन जारी है। सोपोर के हादीपोरा गांव में बुधवार सुबह आतंकवादियों की संदिग्ध गतिविधि देखे जाने की सूचना के बाद पुलिस और सुरक्षाबलों ने तुरंत इलाके की घेराबंदी की। तलाशी अभियान शुरू किया गया। सोपोर पुलिस, सेना की 32 आरआर और सीआरपीएफ के जवानों ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया। इलाके को खंगाला गया। यह इलाका जीडीसी हादीपोरा और पनाश कोचिंग संस्थान हादीपोरा के करीब था। ऐसे में एहतियात के तौर पर इन्हें बंद रखा गया। ताकि किसी तरह की हानि न हो। घेरा सख्त होता देख आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी की। इसका सुरक्षाबलों ने मुंहतोड़ जवाब दिया।

सरकार 15 जुलाई तक दोबारा कराएगी पेंशन का सत्यापन

भोपाल। मध्य प्रदेश के सामाजिक न्याय विभाग ने अलग-अलग पेंशन स्कीम का 1 लाख 17 हजार 603 हितग्राहियों की 600 रुपए की पेंशन बंद कर दी है। अब सरकार इनका दोबारा सत्यापन कराएगी। दरअसल सामाजिक न्याय विभाग की तरफ से एक आदेश जारी किया गया है, जिसमें आधार नंबर से जब नाम, आयु और पता अपडेट किया गया तो संबंधित हितग्राही योजना के लिए अपात्र पाए गए। अभी इनको 60 वर्ष से अधिक की आयु की पुष्टि के प्रमाण पत्र, बीपीएल कार्ड और तीन फोटो के आधार पर पेंशन मिल रही थी। अब आधार अपडेट के बाद यह अपात्र हो गए है। विभाग के आदेश के अनुसार अब संबंधित बुजुर्गों को सभी दस्तावेजों के साथ अब पेंशन के लिए दोबारा आवेदन करना होगा।

नोएडा के बाद राजधानी में 18 की मौत

दिल्ली। राजधानी दिल्ली समेत एनसीआर में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। नोएडा के बाद दिल्ली में 13 लोगों की मौत हो चुकी है। 13 मृत शव आरएमएल में लाए गए और सफदरजंग में पांच की मौत हुई है।वहीं नोएडा में गर्मी से बुधवार को 14 लोगों की जान चली गई। दिल्ली में बीती रात 12 साल की सबसे गर्म रही और न्यूनतम तापमान 35.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भी मौत के आंकड़े सामने आए हैं। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, आज 15 लोगों को भर्ती किया गया। जिसमें से पांच की मौत हो चुकी है। अब तक 27 को भर्ती किया गया है। जिसमें से चार की मौत हुई। जिसके बाद कुल मामले 45 पहुंच गए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने हीटवेव की स्थिति और केंद्र सरकार के अस्पतालों में तैयारी को लेकर समीक्षा की। बैठक में उन्होंने सभी अस्पतालों को तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। साथ ही विशेष हीटवेव यूनिट को केंद्रीय सरकार के अस्पतालों को निर्देश दिया है।

नोएडा में अलग-अलग इलाकों में 14 लोगों की संदिग्ध मौत हो गई है। इन सब की मौत के पीछे लू और हीट स्ट्रोक की आशंका जताई जा रही है। लेकिन इसकी अभी तक पुष्टि नहीं की जा सकी है। पुलिस का दावा है कि इनके शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले हैं। संबंधित कोतवाली पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के सही कारणों का पता चलेगा। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार को सेक्टर-125 स्थित निजी विश्वविद्यालय के गेट नंबर पांच के पास कूड़ा बीनने वाले युवक का शव मिला।

सिकल सेल एनीमिया के उपचार पर रिसर्च को बढ़ाया जाए

भोपाल। उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने कहा कि उप राष्ट्रपति भवन में हर्बल पार्क की स्थापना में डिंडोरी का विशेष योगदान होगा। डिंडोरी में जैव विविधिता एवं औषधीय वनस्पति की उपलब्धता को देखते हुए यहां सिकल सेल एनीमिया सहित अन्य बीमारियों के उपचार पर रिसर्च कार्य को तेजी से बढ़ाया जाना चाहिए। जिससे देश और विदेश में डिंडोरी का नाम प्रसिद्ध हो। सिकल सेल एनीमिया की रोकथाम और जागरूकता के लिए सभी स्तर पर समन्वित प्रयास की आवश्यकता है। शोधकर्ताओं-समाजसेवियों-चिकित्सकों के समन्वित प्रयास से इसे सामाजिक आंदोलन बनाना होगा। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में निरंतर प्रगति करते हुए देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा। उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ डिण्डौरी में राज्य स्तरीय कार्यक्रम विश्व सिकल सेल दिवस-2024 कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अतिथियों का स्वागत किया तथा सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन के लिए प्रदेश में संचालित गतिविधियों की जानकारी दी।

उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने शासकीय चन्द्रविजय महाविद्यालय डिण्डौरी में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में राज्यपाल श्री पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. यादव और उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, पंचायत एवं ग्रामीण तथा श्रम विभाग मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते और उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ की पत्नी श्रीमती सुदेश धनखड़ उपस्थित थीं। उप राष्ट्रपति का जनजातीय कलाकारों ने परम्परागत नृत्य कर स्वागत किया। उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ ने कार्यक्रम स्थल पर पौध-रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने महिला एवं बाल विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आयुष तथा अन्य विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा अनुसार उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ को पगड़ी तथा श्रीमती धनखड़ को शॉल व श्रीफल भेंट कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उप राष्ट्रपति को गोंडी पेंटिंग भी भेंट की। राज्यपाल श्री पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने किया। कार्यक्रम में सिकल सेल एनीमिया को नियंत्रित करने के लिए प्रदेश में जारी प्रयासों पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ ने कहा कि भारतीय सांस्कृतिक और सामाजिक परिवेश में जनजातियों का बहुत अधिक महत्व है। श्रीमती द्रोपदी मुर्मु का राष्ट्रपति बनना भारतीय इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जायेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से प्रगति कर रही है। आर्थिक परिदृश्य में ब्राजील, कनाडा, इंग्लैंड और फ्रांस जैसे देशों से भारत आगे निकला है।

सरई थाना क्षेत्र में व्यापक पैमाने पर चल रहा रेत का अवैध कारोबार

नवागत थाना प्रभारी अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने नही दिखा रहे दिलचस्पी

सिंगरौली

सरई थाना क्षेत्र में इन दिनों अवैध रेत का कारोबार चरम सीमा पर है। शाम ढलते ही सरई क्षेत्र में जो ट्रैक्टरों की धमाचौकड़ी शुरू होती है,वह सुबह 9 बजे तक चलती है। सरई क्षेत्र में अवैध रेत के साथ-साथ गांजा व शराब,कबाड़ का कारोबार भी फलफुल रहा है। लेकिन सरई पुलिस ने इन कारोबारियों के खिलाफ कार्यवाही करने की बजाय खुला संरक्षण दे रखी है। सरई क्षेत्र के रहवासियों ने उम्मीद लगाए बैठे हुए थे कि सरई में नए थाना प्रभारी आने के बाद अवैध कारोबार पर अंकुश लगेगा लेकिन नए थाना प्रभारी के आने के बाद भी अवैध कारोबार में अंकुश नही लग पा रहा है। क्योंकि साहब इन अवैध कारोबारियों के

कारोबार पर अंकुश लगाने कोई दिलचस्पी ही नही दिखा रहे हैं। सूत्र तो यहां तक बता रहे हैं कि इन कारोबारियों से वसूली के लिए बकायदे तीन-चार पुलिस के जवान तैनात है। जो दिन रात डिलिंग करने में लगे रहते हैं।

सूत्रों की बातों पर गौर करें तो सरई थाना इलाके में लंबे अरसे से बालू का अवैध धंधा नदी व नालो से किया जा रहा है बताया जाता है कि सरई क्षेत्र के खनुआ,गजरा बहरा,दियागड़ई, ,बकहुल झारा कोनी सहित कई ऐसे दर्जनो ठिकाने है, जहां रेत कारोबारियों द्वारा व्यापक पैमाने पर रेत की निकासी की जा रही है। चर्चा तो यह भी है कि तत्कालीन थाना प्रभारी के इशारे पर यह कारोबार चल रहा था। लेकिन उनके स्थानांतरण के बाद इस कारोबार में और तेजी देखने को मिल रही है। भले ही थाना प्रभारी सरई से चले गए हैं लेकिन कुछ चर्चित आरक्षक आज भी सरई थाने में पदस्थ है। यही चर्चित आरक्षक खुलेआम रेत निकासी के नाम पर बालू की चोरी करा रहे हैं। सूत्र तो यह भी दावा करते हैं कि रात्रि में सरई क्षेत्र से दर्जनो ट्रैक्टरो के माध्यम से रेत की निकासी की जाती है और यहां पर सरई थाने में पदस्थ एक चर्चित पुलिस के जवान के द्वारा कराई जा रही हैं। सूत्रों के द्वारा बताया जा रहा है कि सरई थाने में प्रति ट्रैक्टर के माध्यम से 3 से 5 हजार रुपए की वसूली की जाती है। यहां तक की यही हाल निगरी व निवास चौकी क्षेत्र का भी बना हुआ है। जहां कोई बाहरी व्यक्ति नहीं बल्कि स्थानीय चर्चित लोगों के द्वारा रेत की कालाबाजारी की जा रही है। यह पूरे खेल में सरई पुलिस की संलिप्तता साफ नजर आ रही है। हां इतना जरूर है जब रेत निकासी व चोरी को लेकर सरई पुलिस से चर्चा की जाती है तो पुलिस इस पूरे घटनाक्रम को पर्दा डालने का काम करती है पुलिस का यही कहना होता है कि ऐसी जानकारी तो नहीं है,कभी-कभी लोग फोन करके बताते हैं मेरे पास स्टाफ की कमी है। कुछ इस तरह की बहाने बाजी सरई पुलिस के द्वारा की जाती है लेकिन स्थानीय लोगों की बातों पर गौर करें तो उनका यही कहना है कि यह पूरा रेत का कारोबार सरई पुलिस के इशारे पर चल रहा है। क्योंकि सरई पुलिस की गाड़ी और एकाद पुलिस आरक्षक कभी-कभार मोटरसाइकिल से आते हैं और रेत के कारोबार में जुड़े लोगों से मेल मिलाप करते देखे जाते हैं। कहीं ना कहीं पुलिस जिस तरीके से रेत कारोबार पर पर्दा डालने का काम कर रही है ऐसे में साफ जाहिर होता है कि सरई पुलिस के तथा कथित लोगों के इशारे पर सरई क्षेत्र रेत की अवैध चोरी की जा रही है।

कारोबारियों को पुलिस का संरक्षण

विभागीय सूत्रों की बातों पर गौर करें तो सरई थाना क्षेत्र के कारोबारियों को पुलिस का संरक्षण मिला हुआ है। बताया जाता है की पुलिस के संरक्षण में ही रेत की अवैध निकासी की जाती है और इस कारोबार में क्षेत्र के कुछ दबंग लोगों के द्वारा ट्रैक्टर और टिपर के माध्यम से रेत का परिवहन किया जाता है। इसके लिए विधिवत इन कारोबारी के आदमी भी तैनात रहते हैं लेकिन पुलिस कभी भी रात्रि गस्त नहीं करती है। यही वजह है कि इन कारोबारी का मनोबल बढ़ता जा रहा है।

शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट 2 जुलाई से भोपाल में

सिंगरौली। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा सहायक जेल अधीक्षक एवं जेल प्रहरी भर्ती हेतु लिखित परीक्षा 25 मई 2023 से 20 जून 2023 तक परीक्षा आयोजित की गई थी। जिसका परीक्षा परिणाम 14 मार्च 2024 को घोषित किया गया है। सहायक जेल अधीक्षक एवं जेल प्रहरी के पदों हेतु सफल अभ्यर्थियों के द्वितीय चरण की परीक्षा, जिसमें शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट जेल विभाग स्वयं लेगा। प्रथम चरण मे चयनित उम्मीदवारों का शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट मोतीलाल नेहरू, पुलिस स्टेडियम, भोपाल में दिनांक 2 जुलाई से 7 जुलाई तक आयोजित किया जायेगा।उल्लेखनीय है कि सहायक जेल अधीक्षक के 33 पद एवं जेल प्रहरी के 200 पदों हेतु मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा प्रथम चरण की लिखित परिक्षा आयोजित की गई थी। जिनमें चयनित अभ्यर्थियों के लिए द्वितीय चरण में शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट में योग्य पाये जाने वाले अभ्यार्थियो में से मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल भोपाल अंतिम चयन सूची जारी करेगा। जिन्हे जेल विभाग द्वारा प्रहरी के रूप में नियुक्ति दी जायेगी।

शिकायत निवारण बेंच का आयोजन 24 जून को

सिंगरौली। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग सिंगरौली द्वारा अवगत कराया गया है कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग एवं जिला प्रशासन सिंगरौली के सहयोग से महिला एवं बाल विकास शिकायत निवारण बेंच का आयोजन 24 जून को प्रातः 9.30 बजे से जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र ट्रामा सेण्टर के पास बिलौंजी बैढ़न में किया जा रहा है। जिसमे बेंच द्वारा द्वारा बच्चों के लिए आधार नामांकन,दिव्यांगता प्रमाण-पत्र वितरण,नि:शुल्क जाँच शिविर,दिव्यांगता प्रमाण-पत्र वितरण,बैंक खाता खुलवाना,बच्चों से सम्बंधित शिकायते जिनमें बच्चों का यौन उत्पीडन, बाल श्रम, बाल विवाह,बाल स्वास्थ्य बच्चों से सम्बंधित अन्य शिकायतों पर विचार कर उनका निराकरण कराया जायेगा।

कमिश्नर रीवा ने व्हीसी के जरिए की आपदा प्रबंधन की समीक्षा

राहत तथा बचाव संबंधी समस्त तैयारियां 25 जून तक कर लें पूर्ण

सिंगरौली। कमिश्नर कार्यालय में गूगल मीट से रीवा संभाग के कमिश्नर गोपालचन्द्र डाड ने बाणसागर परियोजना से जुड़े जिलों में बाढ़ की स्थिति में राहत एवं बचाव तैयारियों की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि सभी जिलों के अधिकारी बाढ़ संभावित क्षेत्रों का दौरा करके 25 जून तक राहत एवं बचाव कार्य से जुड़ी तैयारियां पूरी कर लें। बाढ़ की स्थिति में राहत शिविर लगाने के लिये स्थान के चयन से लेकर बचाव दल,राहत के उपकरण, दवाओं, खाद्य सामग्री की आपूर्ति तथा बिजली एवं पानी की व्यवस्था से जुड़ी कार्यवाहियां करें। बाढ़ पर नियंत्रण के लिये समय पर सूचनाओं का आदान-प्रदान आवश्यक है। जिला तथा तहसील स्तर पर बाढ़ नियंत्रण केन्द्र स्थापित करके इनमें प्रशिक्षित कर्मचारी तैनात कर दें। सूचनाओं का एक दूसरे को लगातार आदान-प्रदान करते रहें। बांधों से पानी छोड़े जाने अथवा लगातार वर्षा की स्थिति में सभी जिले सतत संपर्क में रहें। कमिश्नर ने कहा कि बाणसागर बांध की अप स्ट्रीम तथा डाउन स्ट्रीम में बाढ़ संभावित क्षेत्र चिन्हांकित हैं। अप स्ट्रीम में मैहर तथा शहडोल जिलों में बांध के जल भराव क्षेत्र में अस्थायी बस्ती बनाकर खेती की जाती है। इन क्षेत्रों से 25 जून तक सभी बस्तियां हटा दें। सभी एसडीएम अपने क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर लें। बाढ़ से बचाव के लिये व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारियों को जोड़ें। इस ग्रुप में गांव के कुछ व्यक्तियों तथा पटवारी, ग्राम पंचायत सचिव, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता जैसे मैदानी कर्मचारियों को भी शामिल करें। समय पर सही सूचना मिलने से राहत और बचाव कार्य में आसानी होगी। बैठक में अपर कलेक्टर अरविंद झा, संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय, एसडीएम सृजन बर्मा, एसडीएम माड़ा राजेश शुक्ला, आयुक्त नगर निगम डीके शर्मा सहित संबंधित अधिकारी बैठक में उपस्थित रहे। बाणसागर बांध की डाउन स्ट्रीम में सीधी तथा सिंगरौली जिले के 129 गांव बाढ़ संभावित हैं। आपदा प्रबंधन के लिये संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश पत्र जारी कर दिये गये हैं।

समर कैंप से बच्चों के सर्वांगीण विकास व विभिन्न विधाओं में पारंगत बनाने का था उद्देश्य : निवेदिता

पुलिस परिवार समर कैंप के समापन पर हुआ कार्यक्रम आयोजन

सिंगरौली। पुलिस परिवार का ग्रीष्मकालीन समर कैम्प शिविर विन्ध्य क्लब एनटीपीसी विन्ध्यनगर में 18 मई को शुभारंभ किया गया। जिसका समापन 18 जून को किया गया। समर कैंप में पुलिस परिवार के बच्चो एवं सदस्यो ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। समर कैम्प के दौरान विभिन्न गतिविधियां जैसे स्विमिंग, ताइक्कांडो, स्केटिंग, कुकिंग, मेंहदी, डांसिंग, जुम्मा,सिलाई-कड़ाई, आर्ट एण्ड क्राफ्ट इत्यादि का प्रशिक्षण दिया गया। समर कैंप में सभी को एक साथ लाने का उद्देश्य विभिन्न गतिविधियों में शामिल कराकर उनमें कुशल बनाना था, जिसमें सभी के द्वारा कड़ी मेहनत की गई। इसी क्रम में छोटे बच्चों से लेकर महिलाओं तक ने डांस, जुंबा डांस, ग्रुप डांस

की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। साथ ही महिला सशक्तिकरण द्वारा नाट्य कला का प्रदर्शन किया गया। बच्चों ने पेंटिंग बनाने हेतु बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और एक से बढ़कर एक कलात्मक चित्र कला का प्रदर्शन किया। बच्चों ने अलग-अलग मनभावक पेंटिंग बनाई गई। आयोजित समर कैम्प के शुभारंभ से अंत तक पुलिस परिवार के सभी बच्चों एवं सदस्यों में एक खुशी की लहर दिखाई दी। सभी सदस्य विशेषकर महिलाएं एवं बच्चे पूरी ऊर्जा के साथ समर कैम्प का लुफ्त उठाए हैं। समापन समारोह कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक निवेदिता गुप्ता ने अपने उदबोधन में कहा कि विभाग में पदस्थ हमारे अधिकारी-कर्मचारी अपने कार्य की व्यस्तता के कारण अपने परिवार को पूर्ण समय नहीं दे पाते।

जिससे बच्चे विभिन्न गतिविधियों में भाग नहीं ले पाते। ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान पुलिस परिवार के बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं विभिन्न विधाओं में पारंगत बनाने के उद्देश्य से इस समर कैम्प का आयोजन कराया गया। जिसमें पुलिस विभाग के प्रशिक्षकों के साथ-साथ निजी प्रशिक्षकों एवं खेल विभाग का भी सहयोग लिया गया।

पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित

कार्यक्रम के अंत में सुन्दर पेंटिग बनाने के लिए प्रथम तीन पुरस्कार, डांस के लिए प्रथम तीन पुरस्कार, महिला सशक्तिकरण द्वारा प्रस्तुत ड्रामा के लिए पुरुस्कार और प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। इसके उपरांत सभी के द्वारा स्वादिष्ट भोजन का लुफ्त उठाया गया। सभी ने कार्यक्रम की सराहना की एवं कहा कि समय-समय पर पुलिस परिवार के लिए ऐसी गतिविधियों का संचालन किया जाना चाहिए। पुलिस अधीक्षक ने सभी को आश्वस्त किया कि भविष्य में भी पुलिस परिवार के लिए कार्यक्रमों का आयोजन कराया जाएगा एवं गतिविधियां जारी रहेंगी।

आगामी कार्यक्रमों को लेकर भारतीय जनता पार्टी की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

सिंगरौली। भारतीय जनता पार्टी सिंगरौली की एक महत्वपूर्ण बैठक जिला कार्यालय के सभागार में सम्पन्न हुई। ये महत्वपूर्ण बैठक संगठन के आगामी कार्यक्रमों को लेकर थी। बैठक जिलाध्यक्ष राम सुमिरन गुप्ता के नेतृत्व में सम्पन्न हुई तथा अन्य विशिष्ट अतिथि के रूप में सीड़ा अध्यक्ष दिलीप शाह, तथा कार्यक्रम के प्रभारी एवं जिला महामंत्री सुंदरलाल शाह मंचासीन रहे।

जिला मीडिया प्रभारी नीरज सिंह परिहार ने बताया कि बैठक का औपचारिक शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन से हुआ। बैठक के संबोधन में जिलाध्यक्ष जी ने आगामी कार्यक्रमों की विधिवत रूप रेखा प्रस्तुत की।

जिलाध्यक्ष जी ने बताया कि ये आगामी कार्यक्रम अखिल भारतीय स्तर के कार्यक्रम होने वाले हैं। प्रदेश नेतृत्व से जारी दिशा निर्देशों के आधार पर इन कार्यक्रमों को शत प्रतिशत पूर्ण करना हमारा उत्तरदायित्व है। जिलाध्यक्ष जी ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुवे बताया कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस है जिस दि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी योग दिवस के कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर में उपस्थित रहेंगे तथा हमें यह कार्यक्रम प्रत्येक मंडल में आयोजित करना है। 23 जून को डाक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के स्मृति दिवस तथा 6 जुलाई को उनकी जयंती कार्यक्रम को सम्पन्न कराना है। उसी समय 23 जून से 6 जुलाई तक सभी बूथों पर एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा जिसमें पार्टी के जिला स्तर से लेकर पन्ना प्रमुख स्तर के कार्यकर्ता को वृक्षारोपण करना है तथा उस वृक्ष की देख भाल करनी है। 25 जून को भारतीय जनता पार्टी आपातकाल का काला दिवस मनाती हैं जिस कार्यक्रम के तहत गोष्ठी आयोजित कर आपातकाल के कांग्रेसी अत्याचार को प्रभावित एवं प्रसारित करना है। अंत में 30 जून को प्रधानमंत्री जी की मन की बात कार्यक्रम को लेकर जिलाध्यक्ष जी ने कहा कि जिले के समस्त बूथों पर मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण सुना जाय तथा पार्टी का प्रत्येक पदाधिकारी एवं जन प्रतिनिधि किसी न किसी स्थान पर इस कार्यक्रम में अवश्य रुप से उपस्थित रहे।

बैठक का संचालन जिला महामंत्री सुंदरलाल शाह ने किया तथा आभार प्रकटन जिला महामंत्री लालपति साकेत ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष प्यारेलाल चतुर्वेदी, राजेश तिवारी, सरोज शाह, जिला मंत्री ध्रुव सिंह, अरविंद तिवारी, प्रवेंद्र धर द्विवेदी, बविता जैन कोषाध्यक्ष हरिदास गुप्ता, कार्यालय मंत्री कृष्ण कुमार कुशवाहा, मंडल अध्यक्ष भारतेन्दु पांडेय, संदीप झा, शारदा शर्मा, एक्तिस चंद वैश्य, देवी सिंह वैश्य, संदीप चौबे, रवी पांडेय, गोविंद वैश्य, प्रकाश नारायण जायसवाल, जय प्रकाश शाह, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष परवेज अहमद, वरिष्ठ नेता नरेश शाह, विनोद द्विवेदी, पवन सिंह, विनोदकुरू वंशी तथा अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यालय पुलिस अधीक्षक जिला सीधी (म0प्र0)

क्रमांक-पुअ/सीधी/रनि/ 4304 /2024 दिनांक 18 / 06 /2024

खुली निविदा विज्ञप्ति (द्वितीय निविदा आमंत्रण)

वित्तीय वर्ष 2024-25 में जिला सीधी में विभिन्न थानो में शासकीय उपयोग हेतु मासिक किराये पर वाणिज्यिक परिवहन वाहन (बोलेरो संख्या 09) लिए जाने हेतु द्वितीय निविदा आमंत्रित की जाती है। सीलबंद लिफाफो में निविदा जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक 28/06/2024 को समय 16:30 बजे तक है। फर्मो द्वारा प्राप्त निविदाए दिनांक 28/06/2024 को सायं 17:00 बजे गठित कमेटी के समक्ष पुलिस अधीक्षक सीधी द्वारा उपस्थित फर्मो के प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जाएगी।

//खुली निविदा की शर्तें//

1. उपलब्ध कराये जाने वाले वाहन वाणिज्यिक परिवहन यान के रूप में दर्ज होने चाहिये तथा संबंधित ट्रेवल एजेंसी क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी आरटीओ कार्यालय में पंजीयन होना आवश्यक है।
2. वाहनो की स्थिति व रख रखाव उत्तम श्रेणी का हो तथा पॉच वर्षो से पुराना वाहन किराये पर नही लिया जाऐगा। आवश्यकता के अनुरूप राष्ट्रीय ध्वज/डेंजर लाईट/सीट कव्हर आदि प्रदाय करने होगे।
3. वाहन प्रदाता मय चालक के वाहन उपलब्ध करायेगा। वाहन चालक के पास नियमानुसार वैध कमर्शियल ड्रायविंग लायसेंस होना आवश्यक है तथा वाहन चालक आपराधिक चरित्र का व्यक्ति न हो। वाहन चालक का वेतन/भत्ता एवं अन्य खर्चे जिसमें चालक का दैनिक एवं यात्रा भत्ता शामिल हो, वाहन प्रदाता वहन करेगा।
4. वाहन प्रदाता वाहन की मासिक स्थायी दर 1500 किमी0 के लिये प्रस्तुत करे तथा 1500 किमी0 से अधिक दूरी के लिये प्रति किमी0 की दर प्रस्तुत करते हुये पृथक-पृथक दर लिखकर निविदा प्रस्तुत करें।
5. वाहन प्रदायकर्ता फर्म उक्त दरों मे पीओएल0 को सम्मिलित कर वाहन किराया दर प्रस्तुत करेंगें।
6. वाहन चालक को वाहन के पंजीकरण, बीमा, फिटनेस, फास्टैग (टोल टैक्स सर्टिफिकेट) एवं लायसेंस संबंधी आवश्यक अभिलेख वाहन में साथ में रखना अनिवार्य होगा। वाहन संबंधित सभी भुगतान पूर्ण होना चाहिये।
7. वाहन में हुई किसी तकनीकी खराबी होने के कारण यदि आवश्यकतानुसार वाहन का उपयोग करने में बाधा आती है तो वाहन प्रदाता को अन्य वाहन की व्यवस्था करना होगा।
8. मार्ग मे वाहन खराब होने की स्थिति में वाहन खराब होने के स्थान से गैरेज तक लाने का दायित्व वाहन प्रदाता का होगा।
9. वाहन संधारण, वाहन मे होने वाली टूट-फूट, बैटरी, टायर-ट्यूब आदि के व्यय की संपूर्ण जिम्मेदारी वाहन प्रदायकर्ता की होगी।
10. वाहन मे स्टेपनी, टायर-ट्यूब एवं माईलोमीटर चालू एवं उत्तम हालत होने की जिम्मेदारी वाहन प्रदाता की होगी ।
11. वाहन दुर्घटना की स्थिति में संपूर्ण जिम्मेदारी वाहन प्रदाता की होगी , वह उसके लिये पूर्ण उत्तरदायी होगा एवं समस्त खर्चे वहन करेगा।
12. वाहन चालक द्वारा उपयोगकर्ता अधिकारी व वाहन प्रभारी से प्रतिदिन मीटर रीडिंग के अनुसार की गई यात्रा का प्रमाणीकरण लागबुक से कराना होगा तथा इसकी प्रतिलिपि देयक के साथ प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
13. संबंधित ट्रेवल एजेन्सी देयको के भुगतान हेतु देयक प्रतिमाह की 05 तारीख को रक्षित केंद्र वाहन शाखा में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करे, ताकि समय पर देयको का भुगतान किया जा सके।
14. निविदा के संबंध मे अन्य जानकारी/निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु कार्यालयीन समय सुबह 10.00 बजे से सायं 05.00 बजे तक वाहन शाखा रक्षित केन्द्र सीधी पहुचकर प्राप्त की जा सकती है।
15. वाहन के संबंध मे किसी भी प्रकार का विवाद होने पर उसके निराकरण का उत्तरदायित्व वाहन प्रदाता का होगा एवं यदि कोई वैधानिक क्षतिपूर्ति माननीय न्यायालय द्वारा किसी स्थिति में निर्धारित की जाती है, तो उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी वाहन प्रदाता की होगी ।
16. उपरोक्त समस्त शर्तो के संशय/विवाद की स्थिति उत्पन्न होने पर पुलिस अधीक्षक सीधी का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा।

जी-12076/24

पुलिस अधीक्षक
जिला सीधी (म.प्र.)

बाढ़ एवं अतिवर्षा की स्थिति में बचाव व राहत कार्य के लिए कंट्रोल रूम गठित

सिंगरौली। वर्षा ऋतु के दौरान जिले में बहने वाले नदी-नालों में बाढ़ की स्थिति निर्मित होने एवं अतिवर्षा की स्थिति में बचाव एवं राहत कार्य के लिए कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला ने जिला स्तर पर कंट्रोल रूम गठित किया है। कंट्रोल रूम कलेक्ट्रेट कार्यालय के कक्ष क्रमांक 25 में स्थापित किया गया है। अधीक्षक भू-अभिलेख सुखेन्द्र सिंह बघेल को कंट्रोल रूम का प्रभारी अधिकारी बनाया गया है। बाढ़ एवं अतिवर्षा की स्थिति में कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर पर जानकारी दी जा सकती है। कंट्रोल रूम वर्षा ऋतु की समाप्ति तक 24 घण्टे कार्य करता रहेगा।

विश्व योग दिवस 21 जून को

जिला स्तरीय कार्यक्रम का राजमाता चूनकुमारी स्टेडियम होगा आयोजित

सिंगरौली

विश्व योग दिवस के अवसर सम्पूर्ण सिंगरौली जिले में कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 6 बजे से किया जायेगा। कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला ने बताया कि विश्व योग दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजन राजमाता चूनकुमारी स्टेडियम बैढ़न में जन प्रतिनिधियो के उपस्थिति में आयोजित किया जायेगा। जिसमें प्रशिक्षित योग गुरूओ द्वारा योगा कराया जायेगा। कलेक्टर द्वारा संबंधित अधिकारियो को निर्देश दिये गये है कि योगा दिवस के दिन आयोजित होने वाले योगभ्यास से संबंधित सभी तैयारियो को समय पर पूर्ण कर अवगत कराये। जारी कार्यक्रम के तहत अतिथियों आगमन प्रातः 6 बजे एवं उद्बोधन प्रातः 6 बजकर 2 मिनट पर मुख्य कार्यक्रम के अतिथियो के उद्बोधन का सीधी प्रसारण प्रातः 6.10 बजे एवं सामान्य योगाभ्यासक्रम प्रातः 7 बजे से 7.45 बजे तक आभार एवं कार्यक्रम का समापन प्रातः 7. 50 मिनट पर होगा।

कार्यालय वन मण्डलाधिकारी, वन मण्डल सीधी,जिला सीधी म.प्र.

कोतवाली रोड सीधी, जिला सीधी 486661 (मध्य प्रदेश) E-mail :- dfot.sdh@mp.gov.in

ई-निविदा क्र. /भण्डार / 4350 दिनांक - 14/06/ - 2024

ई-निविदा सूचना

वन मण्डल सीधी अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में किये जा रहे वानिकी कार्य हेतु फेंसिंग सामग्री प्रदाय ई निविदा MP tender portal पर आमंत्रित है

निविदा कार्य - वानिकी कार्य हेतु फेंसिंग सामग्री प्रदाय		एम.पी. टेंडर क्रमांक - 2024_MPFD_351103_1	
Publish Date	14-06-2024 03PM	Bid Submission Start Date	17-06-2024 10AM
Document Download / Sale Start Date	17-06-2024 10AM	Bid Submission End Date	28-06-2024 03PM
Document Download / Sale End Date	28-06-2024 03PM	Bid Opening Date / Place	29-06-2024 03PM

- इच्छुक व्यापारी गण / संस्था ई निविदा संबंधी संपूर्ण जानकारी www.mptenders.gov.in वेबसाइट पर प्राप्त करें | निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/ डेबिट/ कैश कार्ड/ इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र प्राप्त हो सकेगा |
- निविदा कारों को नियमानुसार पंजीकृत होना अनिवार्य है | निविदा प्रपत्र शुल्क एवं EMD राशि ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त की जाएगी | निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जाएगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जाएगा | निविदा से संबंधित समस्त जानकारी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त की जा सकेगी |

जी-12077/24

वन मण्डल अधिकारी
वन मण्डल सीधी (म.प्र.)

राहत तथा बचाव संबंधी समस्त तैयारियां 25 जून तक कर लें : कमिश्नर

कमिश्नर रीवा ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से की आपदा प्रबंधन की समीक्षा

सीधी

कमिश्नर कार्यालय रीवा में गूगल मीट से रीवा संभाग के कमिश्नर गोपालचन्द्र डाड ने बाणसागर परियोजना से जुड़े जिलों में बाढ़ की स्थिति में राहत एवं बचाव तैयारियों की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि सभी जिलों के अधिकारी बाढ़ संभावित क्षेत्रों का दौरा करके 25 जून तक राहत एवं बचाव कार्य से जुड़ी तैयारियां पूरी कर लें। बाढ़ की स्थिति में राहत शिविर लगाने के लिये स्थान के चयन से लेकर बचाव दल, राहत के उपकरण, दवाओं, खाद्य सामग्री की आपूर्ति तथा बिजली एवं पानी की व्यवस्था से जुड़ी कार्यवाहियां सुनिश्चित करें। बाढ़ पर नियंत्रण के लिये समय पर सूचनाओं का आदान-प्रदान आवश्यक है। जिला तथा तहसील स्तर पर बाढ़ नियंत्रण केन्द्र स्थापित करके इनमें प्रशिक्षित कर्मचारी तैनात कर दें।

सूचनाओं का एक दूसरे को लगातार आदान-प्रदान करते रहें। बांधों से पानी छोड़े जाने अथवा लगातार वर्षा की स्थिति में सभी जिले सतत संपर्क में रहें।

कमिश्नर ने कहा कि बाणसागर बांध की अप स्ट्रीम तथा डाउन स्ट्रीम में बाढ़ संभावित क्षेत्र चिन्हांकित हैं। अप स्ट्रीम में मैहर तथा शहडोल जिलों में बांध के जल भराव क्षेत्र में अस्थायी बस्ती बनाकर खेती की जाती है। इन क्षेत्रों से 25 जून तक सभी बस्तियां हटा दें। सभी एसडीएम अपने क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर लें। बाढ़ से बचाव के लिये व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारियों को जोड़ें। इस ग्रुप में गांव के कुछ व्यक्तियों तथा पटवारी, ग्राम पंचायत सचिव, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता जैसे मैदानी कर्मचारियों को भी शामिल करें। समय पर सही सूचना मिलने से राहत और बचाव कार्य में आसानी होगी। बाणसागर बांध की डाउन स्ट्रीम में सीधी तथा सिंगरौली जिले के 129 गांव बाढ़ संभावित हैं। आपदा प्रबंधन के लिये संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश पत्र जारी कर दिये गये हैं। इनके अनुरूप कार्यवाही करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए पर्याप्त दवाएं भण्डारित करा दें।

बैठक में आईजी रीवा रेंज एमएस सिकरवार ने कहा कि बाढ़ से बचाव के लिए समय रहते तैयारियां कर ली गईं तो कोई परेशानी नहीं होगी। जल संसाधन विभाग, राजस्व विभाग तथा पुलिस विभाग के अधिकारी तत्परता से बाढ़ संबंधी सूचनाओं का आदान-प्रदान करें। समन्वय के साथ किसी भी स्थिति से निपटने के लिए कार्य योजना बनाएं। आपदा प्रबंधन के लिए बनाए गए व्हाट्सएप ग्रुप में संभावित बाढ़ प्रभावित गांवों के कुछ आम नागरिकों के भी मोबाइल नम्बर शामिल करें जिससे समय पर गांव में सूचना दी जा सके। सभी कंट्रोल रूम एक दूसरे की सूचनाएं साझा करें।

बैठक में मुख्य अभियंता गंगा कछार अशोक डेहरिया ने बाणसागर बांध के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि बांध के जल भराव क्षेत्र में 79 गांव आंशिक रूप से डूब में आते हैं। इन गांवों में ही बाढ़ की समस्या होती है। बांध के पूरे क्षेत्र को 6 जोन में बांट कर जोनल अधिकारी तैनात कर दिये गये हैं। कटनी जिले के 27 गांव तथा उमरिया जिले के 18 गांव बांध के बैक वाटर से प्रभावित होते हैं। बैठक में लोक निर्माण विभाग को अति वर्षा की स्थिति में जलमग्न होने वाले पुल-पुलियों में संकेतक तथा बैरियर लगाने के निर्देश दिये गये।

सीधी एनआईसी केंद्र से कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राहुल धोटे, अपर कलेक्टर राजेश शाही सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के बाद संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

विश्व सिकल सेल रोग जागरूकता दिवस पर रैली के माध्यम से दिया गया संदेश

सीधी। जिले के विकासखण्ड सिहावल अन्तर्गत विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत बमुरी में उजाला संकुल स्तरीय संगठन अन्तर्गत जागृति ग्राम संगठन द्वारा स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से शपथ, रैली एवं जांच शिविर का आयोजन कर समूह सदस्यों को एवं उनके परिजनों को सिकल सेल की जांच कराने हेतु प्रेरित किया गया। जनजातीय मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सिकल सेल रोग के उन्मूलन हेतु प्रभावित जनजातीय क्षेत्रों में 0 से 40 वर्ष के आयु वर्ग के लगभग 7 करोड़ लोगों को पूरे देश में जांच और सहयोगात्मक प्रयास किये जाने हेतु एक जन आंदोलन बनाये जाने का प्रयास इस अभियान के तहत किया जा रहा है। उक्त अभियान में म.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से संबद्ध पार्वती संकुल स्तरीय संगठन अमलिया, महाशक्ति संकुल स्तरीय संगठन बहरी, रानीकुमारी संकुल स्तरीय संगठन लौआ एवं नवसृजन संकुल स्तरीय संगठन कुचवाही अन्तर्गत गठित ग्राम संगठन एवं उनसे जुडे स्व सहायता समूहों साथ ही साथ लोक अधिकार केन्द्र द्वारा उक्त कार्यक्रम में विविध आयोजन कर सक्रिय भागीदारी निभाई जा रही है। इसमें स्वास्थ्य विभाग के आनकेश सोनी बीसीएम विकासखण्ड सिहावल, आशीष मिश्रा बीसीओएफ, अमृतलाल प्रजापति बीसीएफआई इन सबका विशेष सहयोग रहा।

खरीफ फसलों की बुआई के लिए डीएपी की जगह एनपीके एवं एसएसपी उर्वरक फायदेमंद : उप संचालक कृषि

सीधी

उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास द्वारा जिले के किसान भाइयों से अपील की गई है कि धान, उड़द एवं मूंग खरीफ फसलों की बुबाई के लिए डीएपी उर्वरक के स्थान पर एनपीके उर्वरक का उपयोग करें। उन्होंने बताया कि डीएपी में नाईट्रोजन, फास्फोरस तत्व होते है, जबकि एनपीके में नाईट्रोजन, फास्फोरस के साथ पोटाश तत्व भी पाया जाता है जो कि फसल के लिए अति महत्वपूर्ण एवं आवश्यक तत्व है। किसान भाई डीएपी के स्थान पर एनपीके उर्वरक को बेहतर विकल्प के रूप में खेतों में डालकर अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते है। साथ ही एपीएस एवं एसएसपी उर्वरक का भी उपयोग करने की सलाह देते हुये बताया गया कि एपीएस में नाईट्रोजन, फास्फोरस तथा सल्फर तत्व पाये जाते है, जो फसलों के उत्पादन बढ़ाने के लिए अतिआवश्यक है। एसएसपी उर्वरक का उपयोग करने से फास्फोरस 16 प्रतिशत, सल्फर 11 प्रतिशत एवं कैल्सियम 21 प्रतिशत फसलों को प्राप्त होता है, जिससे उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ तिलहनी फसलों में तेल की मात्रा बढ़ती है। किसान भाई यह ध्यान रखें कि कम से कम 4-5 इंच वर्षा होने के बाद ही फसलों की सीडड्रिल के माध्यम से बुवाई करें और बुवाई करने से पहले बीजों का बीजोपचार फफूंदनाशक दवा, कीटनाशक एवं नैनो डीएपी से अवश्य करें, ताकि फसलों को बीज जनित एवं मृदा जनित रोगो से बचाया जा सके।

विश्व सिकल सेल दिवस पर सिकल सेल एनीमिया हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

राज्यस्तरीय कार्यक्रम का हुआ सजीव प्रसारण

सीधी। विश्व सिकल सेल दिवस पर सिकल सेल एनीमिया हेतु जागरूकता कार्यक्रम जिले भर में आयोजित किए गए। जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह के मुख्य आतिथ्य तथा कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में अटल आडोटोरियम सीधी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डिंडोरी से उपराष्ट्रपति महोदय के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी दिखाया गया। इस अवसर पर आयोजित स्वास्थ्य शिविर में लोगों में सिकल सेल एनीमिया की जांच की गई तथा मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

स्वास्थ्य शिविर में सिकल सेल एनीमिया हेतु स्वास्थ्य परीक्षण किया गया

कार्यक्रम में चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा लोगों को सिकल सेल एनीमिया के विषय में आवश्यक जानकारी प्रदान करते हुए जागरूक किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आई जे गुप्ता ने बताया कि सिकल सेल एनीमिया वंशानुगत रक्त विकार के रोग का एक रूप है इसमें लाल रक्त कोशिकाओं का आकार बदल जाता है जो रक्त प्रवाह को अवरुद्ध करती हैं। शुरुआती पहचान और नए उपचारों की बदौलत सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित लगभग आधे लोगों का जीवन बचाया जाना संभव हो पाया है। यह बीमारी पीड़ित लोगों को उनके जैविक माता-पिता से विरासत में मिलती है। इसमें सामान्य लाल रक्त कोशिकाओं को बनाने में मदद करने वाला जीन बदल जाता है। जिन लोगों को दोनों जैविक माता-पिता से यह जीन विरासत में मिलता है उनमें सिकल सेल एनीमिया होता है जिन लोगों को एक जैविक माता-पिता से यह जीन विरासत में मिलता है उनमें सिकल सेल विशेषता होती है। डॉ गुप्ता ने यह भी बताया कि लोगो में सिकल सेल रोग या सिकल एनीमिया के बिना भी सिकल सेल विशेषता हो सकती है, रक्त परीक्षण करवा कर ही सिकल सेल एनीमिया का पता लगाया जा सकता है।

कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राहुल धोटे, अपर कलेक्टर राजेश शाही, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई जे गुप्ता, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग डॉ डीके द्विवेदी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी तथा नागरिक गण उपस्थित रहे।

आजीविका मिशन तथा आरसेटी के सहयोग से कृषि उद्यमी का प्रशिक्षण सम्पन्न

सीधी। विकासखण्ड सिहावल अन्तर्गत उजाला संकुल स्तरीय संगठन से सम्बन्ध जागृति आजीविका ग्राम संगठन बमुरी द्वारा आरसेटी के सहयोग से तेरह दिवसीय कृषि उद्यमी का प्रशिक्षण बुधवार 19 जून को सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। जिसमें आरसेटी से रेनू सिंह के अलावा रामनवल प्रजापति प्रमुख प्रशिक्षक जिला मऊ उत्तर प्रदेश द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में बमुरी, लदबद, सबैचा एवं बल्हैया की 35 महिला किसान दीदियों ने कृषि से कैसे उद्यमी बनने के गुण सीखे। उन्होंने प्रमुख रूप से मृदा परीक्षण, वर्मी कम्पोस्ट, हरीखाद, फसल चक्र, बीज उपचार, नरसरी बीज सोधन, बहु स्तरीय खेती इत्यादि बारीकियों को सीखा। प्रशिक्षण के अन्त में

सभी प्रतिभागियों की लिखित परीक्षा आयोजित की गई एवं उसके बाद उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किया जावेगा।

आरसेटी के डारेक्टर सीवेन्द्र ने अपने उद्बोधन में बताया कि भारत सरकार का प्रयास है कि बेरोजगार युवक एवं युवतियों को सतत प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जाय। साथ ही किसानों को भी प्रशिक्षित कर उनकी आमदनी बढ़ाया जाय इसलिये हमारी संस्था द्वारा म.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से ग्राम स्तर पर प्रशिक्षण प्रदाय कर रहे हैं। जिससे सही जानकारी महिला किसानों को प्रदाय कर उन्हें कृषि उद्यमी बनाया जा सके। अखिलेश त्रिपाठी विकासखण्ड प्रबंधक आजीविका मिशन ने कहा कि भारत सरकार का लक्ष्य है 3 करोड़ महिलाओं को आगामी 3 वर्षों में लखपति बनाना है जिसके अन्तर्गत विकासखण्ड सिहावल से 8407 परिवारों की बहनों को लखपति बहना बनाना है। जिसमें आमदनी बढ़ानें के विषय में कृषि का क्षेत्र काफी महत्व का है यह प्रशिक्षण उक्त कार्य हेतु मील का पत्थर साबित होता है। उक्त प्रशिक्षण देवेश मिश्रा जिला प्रबंधक स्किल एवं आशीष मिश्रा बीसीएफआई आर्गेनिक के संयोजन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के अन्त में प्रभा सिंह सचिव द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

मझौली में सिकल सेल जागरूकता रैली का हुआ आयोजन

सीधी। जिला प्रशासन के निर्देशन में जनपद पंचायत मझौली में आजीविका मिशन के स्व सहायता समूह सदस्यों द्वारा सिकल सेल जागरूकता अभियान का शुभारंभ रैली के माध्यम से किया गया। रैली को विकासखंड चिकित्सा अधिकारी डॉ सागर एवं आजीविका मिशन प्रबंधक चंद्रकांत सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर जिला प्रबंधक शैलेंद्र द्विवेदी, संजीव के साथ-साथ स्व सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित थे। सभी को सिकल सेल मुक्त बनाने के लिए शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम के माध्यम से सभी की सिकल सेल जागरूकता लाने के लिए समझाइए दी गई। कार्यक्रम में 200 महिलाओं ने सहभागिता निभाई एवं गांव जाकर इसका प्रचार-प्रसार करने की बातें कहीं।

जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए चार पटवारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी

सीधी। जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देश पर उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास द्वारा चार पटवारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। कलेक्टर श्री सोमवंशी ने कड़े निर्देश दिए हैं कि अपने जायज कार्यों के लिए यदि लोगों को अनावश्यक परेशान होते पाया गया तो संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। सभी अधिकारी/ कर्मचारी अपने निर्धारित दिवसों पर कार्यालय में उपस्थित रहेंगे तथा नागरिकों की समस्याओं का तत्परता से निराकरण सुनिश्चित करेंगे। लोगों को सहजता से शासन की सेवाओं एवं सुविधाओं का लाभ मिलना सुनिश्चित करें। उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा ने अविनाश पाण्डोरिया पटवारी हल्का बरम्बाबा, विद्यावती कुशवाहा पटवारी हल्का चौफाल कोठार, सीमा प्रजापति पटवारी हल्का बघवारी एवं पंकज सिंह पटवारी हल्का बेन्दुआ को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया है। उन्होने बताया कि जन सुनवाई में प्राप्त आवेदन अनुसार अविनाश पाण्डोरिया पटवारी हल्का बरम्बाबा द्वारा बंटवारा प्रतिवेदन नहीं दिए जाने, विद्यावती कुशवाहा पटवारी हल्का चौफाल कोठार द्वारा राहत राशि का प्रकरण नहीं बनाने, सीमा प्रजापति पटवारी हल्का बघवारी द्वारा सीमांकन में हेरा-फेरी एवं नक्शें से बटांकन विलोपित करने एवं पंकज सिंह पटवारी हल्का बेन्दुआ द्वारा इत्यलाबी नहीं करने के कारण घोर लापरवाही को देखते हुए उन्हे कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। शासकीय कार्य में घोर लापरवाही एवं स्वेच्छाचरिता को देखते हुए दो दिवस में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

आध्यात्मिक जागृति - आद्यि व्याद्यि का उपचार

सीधी। संत निरंकारी मिशन द्वारा 'अंतराष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर शुक्रवार, 21 जून को संपूर्ण भारतवर्ष में स्थापित संत निरंकारी मिशन की विभिन्न शाखाओं में प्रात: 6.00 बजे से स्थानीय योग प्रशिक्षकों के निर्देशन द्वारा खुले स्थानों एवं पार्कों में योग दिवस का उत्साहपूर्वक आयोजन किया जायेगा।

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा इस वर्ष 'अंतराष्ट्रीय योग दिवस' का विषय 'महिला सशक्तिकरण के लिए योग' दिया गया है जो निसंदेह आज के समय की मांग है। संत निरंकारी मिशन भी समय-समय पर महिला सशक्तिकरण के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाओं को क्रियान्वित कर उन्हें सक्षम बनाने में प्रयासरत है जिसमें मुख्यत: सिलाई एवं कढ़ाई सेंटर, ब्यूटीशियन कोर्स, ट्यूशन सेंटर इत्यादि प्रमुख है।

संत निरंकारी मण्डल के समाज कल्याण प्रभारी आदरणीय श्री जोगिन्दर सुखीजा ने जानकारी दी कि वर्ष 2015 से ही संत निरंकारी मिशन की सामाजिक शाखा, संत निरंकारी चैरिटेबल फाउन्डेशन द्वारा 'योग दिवस' कार्यक्रम का आयोजन किया जाता रहा है। इसी श्रृंखला के अंतर्गत इस वर्ष भी 'अंतराष्ट्रीय योग दिवस' कार्यक्रम का विशाल रूप में आयोजन संपूर्ण भारतवर्ष के लगभग हर प्रांत के शहरों में उत्साहपूर्वक किया जायेगा। योग भारत की एक ऐसी प्राचीन पद्धति है जिसके द्वारा आध्यात्मिक, शारीरिक, मानसिक और आत्मिक स्वास्थ्य को संतुलित किया जाता है। योग के नियमित अभ्यास से तनाव मुक्त जीवन जीया जा सकता है। महिलाओं के सशक्तिकरण में योग का विशेष महत्व है। वर्तमान समय में जहां महिलाएं गृहस्थ जीवन और कार्यक्षेत्र में अपना अहम योगदान दे रही हैं; ऐसे में योग, उनकी व्यस्तता से भरी हुई जिदंगी की एक ऐसी आवश्यक गतिविधि है जो उनको अपनी सभी जिम्मेदारियों को पूर्णता से निभाने में सहायता करती है। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने भी अपने विचारों में 'स्वस्थ मन सहज जीवन' अपनाने का दिव्य मार्गदर्शन देते हुए यही समझाया है कि हमें अपने शरीर को निरंकार प्रभु की अमोलक देन समझते हुए उसे स्वस्थ एवं सेहतमंद बनाए रखना है। अत: ऐसे स्वास्थ्यवर्धक कार्यक्रमों का उद्देश्य केवल यही है कि इस भागदौड़ भरी जिदंगी में अपनी सेहत पर और ध्यान देते हुए उसे बेहतर एवं उत्तम बनाते हुए एक स्वस्थ जीवन जीना है।

सीधी शहर में भी यह कार्यक्रम सुबह 6.30 बजे से 7.30 बजे तक नूतन कालोनी स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन, सीधी में किया जाएगा। और इसके पश्चात 8 से 9 बजे तक आध्यात्मिक सत्संग होगा। आप सभी सम्मानीय नगर वासियों से प्रार्थना है कि शुक्रवार 21 जून को सुबह 6.30 बजे पहुंचकर अपना जीवन आनंदमय बनाएँ।

जिला टास्क फोर्स की बैठक 20 जून को

सीधी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई.जे. गुप्ता ने जानकारी देकर बताया है कि राष्ट्रीय पल्स पोलिया अभियान 23 से 25 जून 2024 तक चलाया जायेगा। जिसके सफल क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स (डीटीएफ) की बैठक दिनांक 20.06.2024 को दोपहर 12 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई है। उन्होने सभी संबंधितों को सूचित किया है कि नियत तिथि एवं समय पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

संपादकीय

जल का जंजाल, पुराने समझौते में बदलाव हो

पानी जैसी बुनियादी जरूरत की किल्लत सबसे ज्यादा मार करती है गरीबों पर। अमीर तबका पानी खरीदकर अपनी प्यास बुझा सकता है, लेकिन टैंकर के पीछे दौड़ने और सार्वजनिक नलों पर धूप में लंबी लाइन लगाने वाली आम जनता कहां जाए? भीषण गर्मी के बीच दिल्ली के लोगों को पानी की कटौती का भी सामना करना पड़ रहा है। इन हालात में दिल्ली ने पड़ोसी राज्य हरियाणा से मानवता के आधार पर अधिक पानी देने की अपील की है। अगर हरियाणा के पास अधिक पानी है तो उसे दिल्ली की मदद जरूर करनी चाहिए। दिल्ली जल संकट का मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचा हुआ है। हालांकि शीर्ष अदालत का यह कहना बिल्कुल सही है कि उसके पास पानी के बंटवारे का फॉर्मूला तय करने की विशेषज्ञता नहीं। वैसे भी अभी यह समय फॉर्मूला निकालने का नहीं है। अभी दिल्ली को पानी चाहिए, जल्द से जल्द। पानी को लेकर हिमाचल, हरियाणा, यूपी, राजस्थान और दिल्ली के बीच 1994 में एक रूल साइन हुआ था। हालांकि इस बात को तीन दशक बीत चुके हैं और इस दौरान दिल्ली की आबादी, उसकी जरूरतें बहुत ज्यादा बढ़ चुकी हैं। इसलिए पुराने समझौते में बदले हुए हालात के मुताबिक बदलाव करना बेहतर होगा। पानी की समस्या केवल दिल्ली की नहीं, देश के लगभग सभी बड़े शहर इससे जूझ रहे हैं। कुछ अरसा पहले बेंगलुरु से ऐसी खबरें आ रही थीं। मुंबई में भी इस साल बीएमसी को पानी में कटौती करनी पड़ी। यह साफ इशारा है कि हमारा जल प्रबंधन ठीक नहीं। अभी तक जो भी इंतजाम किए हैं हमने, वे कारगर नहीं हो पा रहे हैं। वक्त है कि उनकी फिर से समीक्षा की जाए। हमारे शहर जिस संकट का सामना कर रहे हैं, वह केवल इस साल की कहानी नहीं है। जलवायु परिवर्तन का असर गहराने के साथ यह संकट भी बढ़ता जाएगा। इससे बचने के लिए प्रभावी और दूरगामी कदम उठाने होंगे। हमारी नदियों में पानी की गुणवत्ता और खराब होती जा रही है। तमाम नदियों का पानी तो अब जानवरों के पीने लायक भी नहीं बचा है। यही हाल तालाब, कुओं और दूसरे जलाशयों का भी है। कई जगह अतिक्रमण हो चुका है। इस पर सख्त एक्शन लेना होगा। दिल्ली में जब संकट गहराया है तो टैंकर माफिया की बात चल निकली है। लेकिन, सोचने वाली बात है कि ये माफिया एकाएक तो इतने मजबूत हुए नहीं होंगे। इन पर पहले एक्शन क्यों नहीं हुआ? और इन्हें किनकी शह मिल रही है? इसी तरह वॉटर रीसाइक्लिंग और ग्राउंड वॉटर रिचार्ज पर कितना काम हो रहा, इसे भी चेक किया जाना चाहिए।

भारत में लैंगिक असमानता की बढ़ती खाई

(ललित गर्ग)

महिलाएं ही समस्त मानव प्रजाति की धुरी हैं। वो न केवल बच्चे को जन्म देती हैं बल्कि उनका भरण-पोषण और उन्हें संस्कार भी देती हैं। महिलाएं अपने जीवन में एक साथ कई भूमिकाएं जैसे- मां, पत्नी, बहन, शिक्षक, दोस्त बहुत ही खूबसूरती के साथ निभाती हैं।

विश्व आर्थिक मंच द्वारा हाल में प्रस्तुत किये गए लैंगिक अंतर के आंकड़ों ने एक ज्वलंत प्रश्न खड़ा किया है कि शिक्षा, आय, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में आधी दुनिया को उसका हक क्यों नहीं मिल पा रहा है? निस्संदेह, हमारे सत्ताधीशों को सोचना चाहिए कि लैंगिक अंतर सूचकांक में भारत 146 देशों में 129वें स्थान पर क्यों है? लगातार महिलाओं की दोयम दर्जा की स्थिति का बना रहना नीति-नियंताओं के लिये आत्ममंथन का मौका हैं। निश्चय ही यह स्थिति भारत की तरक्की के दावों से मेल नहीं खाती। इसके बावजूद उम्मीद जगाने वाला तथ्य है कि पिछले वर्ष जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं की एक तिहाई हिस्सेदारी को लेकर विधेयक पारित हो चुका है। इसके बावजूद हाल में सामने आए आंकड़े परेशान करने वाले हैं और तरक्की के दावों पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं। यह विचारणीय प्रश्न है कि सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक नीतियां बनाने और कायदे कानूनों में बदलाव के बावजूद लैंगिक असमानता की खाई गहरी क्यों होती जा रही है। ये स्थितियां समाज में इस मुद्दे पर खुले विमर्श की जरूरत को बताती हैं। हालिया लोकसभा चुनाव में सीमित मात्रा में महिलाओं के संसद में पहुंचने ने भी कई सवालों को जन्म दिया है। निश्चित रूप से तमाम सरकारी घोषणाओं के बावजूद जमीन पर महिला असमानता के दंश विद्यमान रहना बड़ी चुनौती है।

लैंगिक अंतर सूचकांक में पिछले साल भारत 127वें स्थान पर था, जो 2022 में 135वें स्थान से 1.4 प्रतिशत अंक और आठ पायदान ऊपर था। लेकिन इस वर्ष फिर दो पायदान ऊपर चढ़ा है। सूचकांक में भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश को 99वें, चीन को 106वें, नेपाल को 117वें, श्रीलंका को 122वें, भूटान को 124वें और पाकिस्तान को 145वें स्थान पर रखा गया है। आइसलैंड (93.5 फीसदी) फिर से पहले स्थान पर है और डेढ़ दशक से सूचकांक में सबसे आगे है। शीर्ष 10 में शेष नौ अर्थव्यवस्थाओं में से आठ ने अपने अंतर का 80 फीसदी से अधिक हिस्सा पाट लिया है। निश्चित तौर पर किसी भी समाज में पूर्ण लैंगिक समानता हासिल करने में लंबा समय लगता है, लेकिन इस दिशा में सत्ताधीशों की तरफ से ईमानदार पहल होनी चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के आंकड़ों की तुलना दक्षिण एशिया के छोटे देशों से नहीं की जा सकती। इसमें दो राय नहीं कि पूरी दुनिया में सरकारों द्वारा लैंगिक समानता के लिये नीतियां बनाने के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं निकले हैं। जिसकी एक वजह समाज में पुरुष प्रधानता की सोच भी है। जिसके चलते यह आभास होता है कि आधी दुनिया के कल्याण के लिये बनी योजनाएं महज घोषणाओं तथा फाइलों तक सिमट कर रह जाती हैं।

भारत में महिलाओं की उपेक्षा, भेदभाव, अत्याचार एवं असमानता की स्थितियों का बना रहना विडम्बनापूर्ण हैं। भारत में रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं को समान अधिकार दिलाने के स्वर तो बहुत सुनने को मिलते हैं, महिलाओं को आजादी के बाद से ही मतदान का अधिकार भी पुरुषों के बराबर दिया गया है, परन्तु यदि वास्तविक समानता की बात करें तो भारत में आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बाद भी महिलाओं की

स्थिति चिन्ताजनक एवं विसंगतिपूर्ण है। हमारे सत्ताधीशों के लिये यह तथ्य विचारणीय है कि हमारे समाज में आर्थिक असमानता क्यों बढ़ रही है? हम समान कार्य के बदले महिलाओं को समान वेतन दे पाने में सफल क्यों नहीं हो पा रहे हैं? जाहिर है यह अंतर तभी खत्म होगा जब समाज में महिलाओं से भेदभाव की सोच पर विराम लगेगा। यह संतोषजनक है कि माध्यमिक शिक्षा में नामांकन में लैंगिक समानता की स्थिति सुधरी है। फिर भी महिला सशक्तीकरण की दिशा में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। देर-सवेर महिला आरक्षण कानून का ईमानदार क्रियान्वयन समाज में बदलावकारी भूमिका निभा सकता है। जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक नेतृत्व इस मुद्दे को अपेक्षित गंभीरता के साथ देखे।

महिलाएं ही समस्त मानव प्रजाति की धुरी हैं। वो न केवल बच्चे को जन्म देती हैं बल्कि उनका भरण-पोषण और उन्हें संस्कार भी देती हैं। महिलाएं अपने जीवन में एक साथ कई भूमिकाएं जैसे- मां, पत्नी, बहन, शिक्षक, दोस्त बहुत ही खूबसूरती के साथ निभाती हैं। बावजूद क्या कारण है कि आज भी महिला असमानता की स्थितियां बनी हुई है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये जरूरी है कि अधिक महिलाओं को रोजगार दिलाने के लिए भारत सरकार को जरूरी कदम उठाने होंगे। सरकार को अपनी लैंगिकवादी सोच को छोड़ना पड़ेगा। क्योंकि भारत सरकार के खुद के कर्मचारियों में केवल 11 प्रतिशत महिलाएं हैं। सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिये अधिक एवं नये अवसर सामने आने जरूरी है। भारत में महिला रोजगार को लेकर चिंताजनक स्थितियां हैं। सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) नाम के थिंक टैंक ने बताया है कि भारत में केवल 7 प्रतिशत शहरी महिलाएं ऐसी हैं, जिनके पास रोजगार है या वे उसकी तलाश कर रही हैं। सीएमआईई के मुताबिक, महिलाओं को रोजगार देने के मामले में हमारा देश इंडोनेशिया और सऊदी अरब से भी पीछे है। रोजगार या नौकरी का जो क्षेत्र स्त्रियों के सशक्तिकरण का सबसे बड़ा जरिया रहा है, उसमें इनकी भागीदारी का अनुपात बेहद चिंताजनक हालात में पहुंच चुका है। यों जब भी किसी देश या समाज में अचानक या सुनियोजित उथल-पुथल होती है, कोई आपदा, युद्ध एवं राजनीतिक या मनुष्यजनित समस्या खड़ी होती है तो उसका सबसे ज्यादा नकारात्मक असर स्त्रियों पर पड़ता है और उन्हें ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है।

दावोस में हुए वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में ऑक्सफैम ने अपनी एक रिपोर्ट 'टाइम टू केयर' में घरेलू औरतों की आर्थिक स्थितियों का खुलासा करते हुए दुनिया को चौंका दिया था। वे महिलाएं जो अपने घर को संभालती हैं, परिवार का ख्याल रखती हैं, वह सुबह उठने से लेकर रात के सोने तक अनगिनत सबसे मुश्किल कामों को करती है। अगर हम यह कहें कि घर संभालना दुनिया का सबसे मुश्किल काम है तो शायद गलत नहीं होगा। दुनिया में सिर्फ यही एक ऐसा पेशा है, जिसमें 24 घंटे, सातों दिन आप काम पर रहते हैं, हर रोज क्राइसिस झेलते हैं, हर डेडलाइन को पूरा करते हैं और वह भी बिना छुट्टी के। सोचिए, इतने सारे कार्य-संपादन के बदले में वह कोई वेतन नहीं लेती। उसके परिश्रम को सामान्यतः घर का नियमित काम-काज कहकर विशेष महत्व नहीं दिया जाता। साथ ही उसके इस काम को राष्ट्र की उन्नति में योगभूत होने की संज्ञा भी नहीं मिलती। प्रश्न है कि घरेलू कामकाजी महिलाओं के श्रम का आर्थिक मूल्यांकन क्यों नहीं किया जाता? घरेलू महिलाओं के साथ यह दोगला व्यवहार क्यों?

नरेन्द्र मोदी की पहल पर निश्चित ही महिलाओं पर लगा दोयम दर्जा का लेबल हट रहा है। हिंसा एवं अत्याचार की घटनाओं में भी कमी आ रही है। बड़ी संख्या में छोटे शहरों और गांवों की लड़कियां पढ़-लिखकर देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वे उन क्षेत्रों में जा रही हैं, जहां उनके जाने की कल्पना तक नहीं की जा सकती थी। वे टैक्सी, बस, ट्रक से लेकर जेट तक चला-उड़ा रही हैं। सेना में भर्ती होकर देश की रक्षा कर रही है। अपने दम पर व्यवसायी बन रही हैं। होटलों की मालिक हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लाखों रुपये की नौकरी छोड़कर स्टार्टअप शुरू कर रही हैं। वे विदेशों में पढ़कर नौकरी नहीं, अपने गांव का सुधार करना चाहती हैं। अब सिर्फ अध्यापिका, नर्स, बैंकों की नौकरी, डॉक्टर आदि बनना ही लड़कियों के क्षेत्र नहीं रहे, वे अन्य क्षेत्रों में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। स्त्री शक्ति के प्रति सम्मान भावना ही नहीं, समानता, सह-अस्तित्व एवं सौहार्द की भावना जागे, तभी उनके प्रति हो रहे अपराधों में कमी आ सकेगी और लैंगिक असमानता को दूर किया जा सकेगा। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार।

कई प्रमुख टीमें विश्व कप से हुई बाहर, अब शुरू होगी सुपर-8 की जंग

आजकल टी?20 विश्व कप के मैच खेले जा रहे हैं। यह सबसे बड़ा विश्व कप है क्योंकि इस बार 20 टीमें इसमें हिस्सा ले रही हैं। इन टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है। हर ग्रुप से दो टीमें सुपर-8 में प्रवेश करेंगी। इस चरण की तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई है। हैरानी की बात यह है कि न्यूजीलैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान की टीम सुपर?8 में नहीं जा पाई जबकि पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखने वाली अमेरिका की टीम इस चरण में प्रवेश कर गई है। अमेरिका विश्व कप का सह मेजबान है जो आमतौर पर क्रिकेट नहीं खेलता। मगर, उसकी टीम ने सुपर-8 में प्रवेश कर सबको चौंका दिया है। कैरीबियाई देशों का समूह वेस्ट इंडीज भी इस विश्व कप का मेजबान है। शुरुआती मैच न्यूयार्क के नसाउ काउंटी मैदान पर खेले गए।

(आदर्श प्रकाश सिंह)

विश्व कप चाहे वनडे हो या टी?20, भारत का पाकिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड बहुत उम्दा रहा है। केवल एक बार 2021 के टी?20 विश्व कप में हम पाकिस्तान से हार गए थे। यह मैच दुबई में हुआ था। इसके अलावा हर बार भारत ही विजेता रहा है।

आजकल टी?20 विश्व कप के मैच खेले जा रहे हैं। यह सबसे बड़ा विश्व कप है क्योंकि इस बार 20 टीमें इसमें हिस्सा ले रही हैं। इन टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है। हर ग्रुप से दो टीमें सुपर-8 में प्रवेश करेंगी। इस चरण की तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई है। हैरानी की बात यह है कि न्यूजीलैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान की टीम सुपर?8 में नहीं जा पाई जबकि पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखने वाली अमेरिका की टीम इस चरण में प्रवेश कर गई है। अमेरिका विश्व कप का सह मेजबान है जो आमतौर पर क्रिकेट नहीं खेलता। मगर, उसकी टीम ने सुपर-8 में प्रवेश कर सबको चौंका दिया है। कैरीबियाई देशों का समूह वेस्ट इंडीज भी इस विश्व कप का मेजबान है। शुरुआती मैच न्यूयार्क के नसाउ काउंटी मैदान पर खेले गए। भारत ने अपने तीन मैच खेल लिये हैं और इन तीनों को जीत कर सुपर-8 में पहुंच चुका है। शनिवार को भारत का कनाडा से होने वाला आखिरी लीग मैच बारिश की भेंट चढ़ गया। भारत से हारने वाली एक टीम पाकिस्तान भी है जिसे रोमांचक मुकाबले में हमारी टीम ने 6 रन से हरा दिया। भारत और पाकिस्तान के मैच को लेकर रोमांच चरम पर होता है। पूरी दुनिया के खेल प्रेमी इस मुकाबले पर नजर गड़ाए रहते हैं।

विश्व कप चाहे वनडे हो या टी-20, भारत का पाकिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड बहुत उम्दा रहा है। केवल एक बार 2021 के टी-20 विश्व कप में हम पाकिस्तान से हार गए थे। यह मैच दुबई में हुआ था। इसके अलावा हर बार भारत ही विजेता रहा है। इस बार जब दोनों टीमें 9 जून को भिड़ीं तो एक समय पाकिस्तान का पलड़ा भारी लग रहा था। वजह, पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया ने केवल 119 रन बनाए थे। यह लक्ष्य कोई मुश्किल नहीं था। लेकिन 14वें ओवर के बाद भारतीय गेंदबाजों ने ऐसा शिकंजा कसा कि पाकिस्तानी बल्लेबाज आउट होते चले गए। अंततरू भारत 6 रन से जीत गया। बुमराह की गेंदबाजी ने पाक की कमर तोड़ दी। खासतौर से रिजवान को जब बुमराह ने बोल्ड आउट किया तो उसके बाद से ही मैच का रुख भारत की ओर मुड़ गया। छोटे लक्ष्य का बचाव करते हुए भारत ने अपनी झोली में मैच डाल लिया। इसके बाद जैसा कि भारत से हारने के बाद हमेशा होता है, सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी खिलाड़ियों को खूब लताड़ा गया।

इस बार का विश्व कप कई उलटफेर का शिकार हो रहा है। मसलन, अमेरिका जैसी नौसिखिया टीम ने सुपर ओवर में पाकिस्तान को हरा दिया। इसी तरह अफगानिस्तान ने श्रीलंका और न्यूजीलैंड को हरा दिया। इससे कुछ मजबूत टीमों के लिए संकट खड़ा हो गया है। पाकिस्तान की किस्मत खराब थी कि वह सुपर-8 से बाहर हो गया है। शुक्रवार को आयरलैंड और अमेरिका का मैच बारिश की वजह से धुल गया। अंक बंटने से अमेरिका सुपर-8 में पहुंच गया। शनिवार को दक्षिण अफ्रीका भी उलटफेर का शिकार होने से बच गया। नेपाल की टीम रोमांचक मुकाबले में एक रन से हार गई। आखिरी गेंद पर नेपाल को जीत के लिए दो रन चाहिए थे। अगर ऐसा हो जाता तो दक्षिण अफ्रीकी टीम हार जाती।

न्यूयार्क की पिच को लेकर इस दौरान खूब चर्चा हो रही है। यहां रन बनाना कठिन हो गया है। 20 ओवर में मुश्किल से 100 या सवा सौ के आसपास रन बन रहे हैं। दोषपूर्ण पिच के बारे में आईसीसी से भी शिकायत की गई है। आयरलैंड के साथ भारत के मैच के दौरान कई खिलाड़ियों के शरीर पर गेंद लगी। असमान उछाल वाली ऐसी पिच क्यों बनाई गई, इस पर सवाल उठ रहे हैं। दरअसल, ये पिचें बाहर से लाकर यहां स्थापित की गई हैं। इन्हें ड्राप इन पिंच कहा जा रहा है।

सुपर-8 के मैच कैरीबियाई देशों में खेले जाएंगे। जिसे हम वेस्ट इंडीज के नाम से जानते हैं। जाहिर है, वहां की पिचों का मिजाज अलग होगा। अमेरिकी मैदान पर रनों के लाले पड़ गए थे लेकिन वेस्ट इंडीज में हालात अलग होंगे। भारत का सुपर?8 में पहला मैच 20 जून को अफगानिस्तान से है। इस चरण में आस्ट्रेलिया से भी भारत को खेलना होगा जो मजबूत टीम है। इसके बाद सेमी फाइनल और फाइनल की लड़ाई है। 19 जून से सुपर-8 चरण के मैच शुरू होंगे। फाइनल 29 जून को ब्रिजटाउन में खेला जाएगा।

भारत के लिए इस बार 17 साल के बाद खिताब जीतने का सुनहरा अवसर है। मजबूत प्रतिद्वंद्वी के रूप में गिनी चुनी टीमें बची हैं। इंग्लैंड सुपर?8 में आ गया है। अंग्रेज टीम से चौकन्ना रहना होगा। पिछले विश्व कप में इंग्लैंड ने सेमी फाइनल में भारत को बुरी तरह हराया था। विराट कोहली का प्रदर्शन चिंता की वजह है। तीन मैचों में उनके केवल पांच रन बने हैं।

वर्ग पहेली 5406

1	2	3		■	4		5
6			■	7		■	
	■	8		■	9	10	
11	12		■	13			■
■		■	14	■		■	15
16		17	■	18			
	■	19	20	■	■	■	
21				■	22		

संकेतः बाएं से दाएं

1. 1919 को बॉलीवुड की पुरानी फिल्मों के संगीतकार (निधन 6 जनवरी 1987) ने जन्म लिया था, सुप्रसिद्ध कृति गीत गोविंद के रचयिता (4)
4. मैथिलीशरण गुप्त की सुप्रसिद्ध कृति, अयोध्या नगरी को यह भी कहते है (3)
6. निर्गम, प्रयाण, निकास (3)
7. मूल तथ्य, चर्चा, वार्तालाप (2)
8. दृढ़तापूर्वक कही गई बात, नालिश, मुकदमा, अभियोग (2)
9. जालिम, अत्याचारी, दरिंदा (3)
11. यह भारत का प्रथम सम्राट था जिसने मुगल सम्राज्य स्थापित किया (3)
13. चमगादड़ को यह भी कहते है (3)
14. संगीत में ऋषभ स्वर सूचक शब्द (1)
16. जिसकी कोई सीमा न हो, अंतहीन, छोरहीन (3)
18. भारत के हरियाण राज्य का एक नगर जो यमुना नदी के समीप स्थित है (4)
19. स्कंध, जुलाहों की राछ या कूंची (2)
21. मंदगति से भ्रमण करना, मंद गमन करन, विचरना (4)
22. कसम, सौगंध, हलफ, सोंह (3)

ऊपर से नीचे

1. माता दुर्गा के नामों में से एक, शारदा (4)
2. दो की संख्या, निग्रह (2)
3. देयी, कर्जदार, ऋणग्रस्त (4)
4. यह अमिताभ बच्चन अभिनीत पहली फिल्म थी (6)
5. शीघ्रता से, उत्साहपूर्ण (3)
10. महाशय, श्रीमान, महोदय (2)
12. पुण्य दिवस, वार्षिकी (3)
15. भूत, प्रेम आदि के स्वामी होने के कारण भगवान शिव का एक नाम (4)
16. अत्यधिकता, असंख्य, आक्रमण (3)
17. एक डंडे के सिरे पर कपड़ा लपेटकर उसे जलाने से उत्पन्न रोशनी (3)
20. विविध, एक रिश्ता, मातामह (2)

वर्ग पहेली 5405 का हल

र	वि	शं	क	र	शु	वल्ल	
ज	ल	ख	ग		मा	र्क	
त	य		र	का	र		सा
प		शू		मा		गं	ध
ट	ह	ल		य		गा	ना
	नु		रा	नी	गं	ज	
त	मा	शा	ई		ड	ल	ना
न	न	द		पा	क		ते

नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा पाकिस्तान

राजेश माहेश्वरी

जम्मू-कश्मीर में बीते तीन दिन में एक के बाद एक आतंकी घटनाओं ने सीमा पार से हो रही घुसपैठ के खतरों की ओर फिर से आगाह किया है। आगामी दिनों में विधानसभा चुनावों की तैयारी के बीच ये आतंकी हमले बताते हैं कि आतंकी संगठन जम्मू-कश्मीर में आम लोगों में खौफ पैदा करने में जुटे हैं। डोडा में आतंककारियों ने सेना की चैकी पर हमला कर दिया। यह कठुआ में आतंकियों की गोलीबारी में एक जने की मौत और दो अन्य के घायल होने के कुछ घंटों बाद ही हुआ। वहीं तीन दिन पहले ही आतंककारियों ने तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस पर कायराना हमला किया था। करीब छह साल से लोकतांत्रिक सरकार का इंतजार कर रहे कश्मीर में लोकसभा चुनावों के दौरान मतदाताओं ने जिस तरह का उत्साह दिखाया, उससे भी आतंकी संगठन और उनके आका बौखलाए हुए हैं। अचानक आतंकी हमले बढने के मद्देनजर कुछ सवाल सटीक और गंभीर हैं। क्या पाक परस्त आतंकवाद कश्मीर घाटी से जम्मू के राजौरी, पुंछ, डोडा आदि क्षेत्रों में शिफ्ट हो गया है? क्या वहां के घने जंगल आतंकियों की पनाहगाह हैं और वहां की पर्याप्त खुफिया सूचनाएं नहीं मिल पा रही हैं? क्या भारत में तीसरी बार मोदी सरकार बनने से पाकिस्तान, खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकवादी गुट बौखलाहट में हैं?

जम्मू-कश्मीर के सुरक्षा-हालात पर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने जो शीर्ष बैठकें की हैं, वे बेमानी नहीं हैं, लेकिन उन्हीं से पाकपरस्त आतंकवाद को कुचला और जड़ से उखाड़ा नहीं जा सकता। कश्मीर घाटी और अन्य राज्यों में सक्रिय आतंकवाद या उग्रवाद के उदाहरण हमारे सामने हैं। सेना, सुरक्षा बलों, पुलिस और स्थानीय गुप्तचरों के साझा ऑपरेशन कई साल तक चलाने पड़े, तो आज घाटी लगभग आतंकवाद-मुक्त है। हम इन बैठकों को खारिज नहीं करते, क्योंकि कई विचार सामने आकर साझा किए जा सकते हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय सीमा, नियंत्रण-रेखा से जम्मू-कश्मीर की जमीन तक जो सेना सक्रिय रही है, उसके समानांतर सुरक्षा-बल तैनात और सक्रिय रहे हैं। स्थानीय सूचनाओं और गतिविधियों की सूत्रधार स्थानीय पुलिस रही है। ऐसी तमाम एजेंसियों को एक सर्कुलर के जरिए निर्देश और आदेश दिए जा सकते थे। उपराज्यपाल के जरिए केंद्र सरकार अपना आदेश दे सकती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पहले कार्यकाल में पाकिस्तान की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाया था, लेकिन वर्ष 2016 में उड़ी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और वर्ष 2019 को पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान के भीतरी इलाकों में हवाई हमले की अनुमति देकर प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कर दिया कि वार्ता और आतंकवाद साथ-साथ नहीं चल सकते। सिर्फ यही नहीं, पाकिस्तान के साथ व्यापार को भी बंद किया गया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान को अलग-थलग कर दिया गया। सऊदी अरब समेत लगभग सभी खाड़ी देश पाकिस्तान के बजाय भारत को प्राथमिकता देने लगे। इससे हताश पाकिस्तानी सेना और उसकी खुफिया एजेंसी आइएसआइ ने कश्मीर को अशांत बनाए रखने के लिए पूरा जोर लगाया, लेकिन अनुच्छेद 370 हटने के बाद हालात बेहतर होते चले गए। आतंकियों पर सुरक्षाबलों का शिकंजा भी कसता गया।

आज का राशिफल

मेष

आज कार्यक्षेत्र में आपके पक्ष में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं इससे व्यथित होकर साथियों का मूड कुछ खराब हो सकता है। क्योंकि आपको दूसरों की मदद करने से सकून मिलता है इसलिए आज का दिन परोपकार में व्यतीत होगा। लेकिन आप अपने सद्व्यवहार से माहौल को सामान्य बनाने में कामयाब रहेंगे। निवेश से अच्छा धन लाभ होगा और संपत्ति खरीदने की योजना सफल होगी।

वृषभ

आज का दिन परिजनों के साथ सुखद बीतेगा। भाग्यवश दोपहर तक हर्षवर्धक शुभ समाचार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। नौकरी पेशा और व्यापारियों को अच्छा लाभ होगा और आपका पद भी बढ़ेगा। किसी पुराने निवेश से अच्छा लाभ होगा और भविष्य के लिए योजना भी करेंगे।

मिथुन

आज पिता के आशीर्वाद तथा उच्चाधिकारियों की कृपा से किसी बहुमूल्य वस्तु अथवा संपत्ति की प्राप्ति की अभिलाषा पूरी होगी। कामकाज में व्यस्तता अधिक रहेगी और व्यर्थ व्यय से बचें। प्रिय एवं महान पुरूषों के दर्शन से मनोबल बढ़ेगा। नौकरी पेशा जातकों को अधिकारियों का साथ मिलेगा और कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

कर्क

आज अकस्मात बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति होगी, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। व्यावसायिक योजनाओं को गति मिलेगी और किसी अन्य बिजनस में निवेश भी करेंगे। आपके द्वारा किए जा रहे कार्यों से मान प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी। शीघ्रता व भावुकता में लिया गया निर्णय आगे चलकर पश्चाताप का कारण बन सकता है।

सिंह

आज राजनीतिक क्षेत्र में अशातीत सफलता मिलेगी। संतान के प्रति दायित्व पूर्ति होगी। व्यापारी प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे और रूका हुआ कार्य भी संपन्न होगा, जिससे अच्छा लाभ होगा। नौकरी पेशा जातक किसी दूसरी कंपनी में इंटरव्यू के लिए जा सकते हैं। नए लोगों से जान पहचान बढ़ेगी।

कन्या

आज अटके धन की प्राप्ति होगी और धन संचय करने में सफलता भी मिलेगी। नौकरी पेशा जातक अगर नौकरी में बदलाव की योजना बना रहे हैं तो आपको शानदार अवसर मिलेंगे। वृद्धजनों की सेवा तथा पुण्य कार्यों पर धन व्यय होने से मन में हर्ष रहेगा। इस राशि के व्यापारी प्रतिद्वंदियों के लिए सिरदर्द बने रहेंगे और किसी अन्य बिजनस में निवेश भी करेंगे।

तुला

आज आय के नए स्रोत बनेंगे और किसी पुराने निवेश से अच्छा रिटर्न मिलेगा। साझेदारी में बिजनस करने से अच्छा फायदा होगा और आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत होगी। बिजनस करने वालों को वाक्पटुता विशेष सम्मान दिलाएगी। कामकाज में भागदौड़ अधिक रहने के कारण मौसम का विपरीत प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ सकता है।

धनु

आज गृहोपयोगी वस्तुओं पर धन का खर्चा हो सकता है। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी। आधीनस्थ कर्मचारी या किसी संबंधी के कारण तनाव बढ़ सकता है। रूपए पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतें, अन्यथा धन फंस सकता है। नया बिजनस शुरू करना चाहते हैं तो आज का दिन अच्छा रहेगा। दुकानदार पूरे दिन व्यस्त रहेंगे।

कुंभ

आज जीवन के स?तर में सुधार आने की संभावना है। आप पैसों की बचत करने में सक्षम होंगे और कारोबार के लिए बनाई गई योजनाओं के सफल होने की संभावना भी है। परिवार में किसी सदस्य के सेहत खराब होने जाने की वजह से भागदौड़ व अधिक खर्चे की स्थिति आ सकती है। किसी संपत्ति के खरीद फरोख्त के समय उसके पूर्व संपत्ति के सारे वैद्यानिक पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर लें।

वृश्चिक

आज आर्थिक पक्ष मजबूत होकर, धन, सम्मान, यश व कीर्ति की वृद्धि होगी। रूका हुआ कार्य सिद्ध होगा और प्रियजनों से भेंट होगी। नौकरी पेशा जातकों को कार्यक्षेत्र में वाणी पर संयम न रखने से विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। सेल्स व मार्केटिंग से जुड़े जातकों को अच्छा फायदा होगा और अपने टारगेट पूरा कर पाएंगे।

मकर

आज व्यावसायिक क्षेत्र में मन के अनुकूल लाभ होने का हर्ष होगा। आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत होगी। नौकरी पेशा जातकों को अधिकारियों का साथ मिलने से समय पर कार्य पूरा करेंगे और अपने कामकाज से संतुष्ट रहेंगे। पिताजी की मदद से नई संपत्ति व वाहन खरीदने की इच्छा पूरी होगी।

मीन

आज वैवाहिक जीवन आनंददायक बीतेगा। आज पास व दूर की सकारणीय यात्रा भी हो सकती है। बिजनस में बढ़ती प्रोग्रेस से काफी खुशी होगी। व्यापारियों के लिए उच?च सफलता के योग बन रहे हैं और व्यापारिक योजनाएं पूरी होंगी। नौकरी पेशा जातकों को किसी दूसरी कंपनी से अच्छा ऑफर मिल सकता है, जिसके बारे में सोच विचार करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

सुकमा में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, मौके से भाग निकले माओवादी, हथियार और समान बरामद

सुकमा , एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के चिंतलनार थाना क्षेत्र अंतर्गत करकनगुड़ा के जंगल में पुलिस और नक्सलियों के बीच जोरदार मुठभेड़ हुई है। मुठभेड़ के दौरान नक्सली जंगल की आड़ लेकर भाग निकले। वहीं जवानों ने मौके से हथियार और समान बरामद किए हैं। जंगल में नक्सलियों का जमावड़ा लगा था, जवान सर्चिंग के लिए निकले हुए थे। इस दौरान मुठभेड़ शुरू हुई। इस मुठभेड़ में कई नक्सलियों को गोली लगने की बात कही जा रही है। सुकमा एसपी किरण चौहान के मुताबिक मुखबिरी से करकनगुड़ा के जंगलों में नक्सलियों ठहरने कि सूचना मिली थी। इस दौरान सुरक्षाबलों की जंगल में सर्चिंग अभियान चला। सुरक्षाबलों को आते देख नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। इस दौरान जवानों ने भी फायरिंग शुरू की। काफी देर तक मुठभेड़ चला। इसके बाद जवानों की जवाबी कार्रवाई देखकर नक्सली भाग निकले। मुठभेड़ के बाद भी जंगल में सर्चिंग अभियान चलाया गया। सर्चिंग अभियान के दौरान जवानों को एक हथियार और नक्सलियों के दैनिक उपयोगी समान बरामद किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार मुठभेड़ के दौरान कई नक्सलियों को गोली लगने की आशंका है। जवान सर्चिंग अभियान खत्म कर सभी सुरक्षित कैंप पर लौट गए हैं।

स्पाइस जेट ने अयोध्या से कई शहरों के लिए अपनी कई फ्लाइट सेवा बंद कीं

नईदिल्ली, एजेंसी। अयोध्या से स्पाइस जेट की हैदराबाद की सीधी उड़ान की बुकिंग नहीं हो रही है।

एयरलाइंस ने यह सीधी उड़ान सेवा बंद कर दी है। इसके पूर्व चेन्नई, बेंगलुरु, जयपुर, पटना और दरभंगा की भी उड़ानें बंद कर दी हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइटों के अनुसार कुल सात शहरों की उड़ानें स्पाइस जेट ने बंद की हैं। अभी अयोध्या से केवल अहमदाबाद और दिल्ली के लिए ही इस एयरलाइंस की उड़ानें हैं। स्पाइस जेट ने फरवरी माह के अंत में अयोध्या से सात नई उड़ानें शुरू करने का ऐलान किया था। दो अप्रैल को अयोध्या से हैदराबाद के लिए फ्लाइट शुरू हुई थी। एयरलाइंस सूत्रों के अनुसार गर्मी के कारण यात्री बेहद कम हैं। टिकटों की बिक्री कम होने के कारण उड़ानें बंद कर दी गई हैं। इंडिगो की उड़ानों का फिलहाल नियमित रूप से संचालन हो रहा है। स्पाइस जेट ने लॉन्च के दो महीने के भीतर हैदराबाद से अयोध्या के लिए अपनी सीधी उड़ान सेवा बंद कर दी है। एयरलाइन ने इस साल अप्रैल की शुरुआत से हैदराबाद-अयोध्या मार्ग पर हफ्ते में तीन बार नॉन-स्टॉप उड़ान सेवाएं शुरू की थीं। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि उड़ान कार्यक्रम पूरी तरह से व्यावसायिक विचारों और मांग से संचालित होता है। हम अभी भी अयोध्या से चेन्नई के लिए सेवाएं संचालित कर रहे हैं। बता दें कि अयोध्या में महर्षि वाल्मिकी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन 30 दिसंबर को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। गौरतलब है कि स्पाइसजेट ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने वाले लोगों के लिए 21 जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी से अयोध्या के लिए एक विशेष उड़ान संचालित की थी। 31 जनवरी को कंपनी ने 1 फरवरी से दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, अहमदाबाद, जयपुर, बेंगलुरु, पटना और दरभंगा सहित आठ शहरों से अयोध्या के लिए अपनी उड़ान सेवाएं शुरू करने की घोषणा की थी।

रेलवे में बंपर वैकेंसी, 18799 रेल ड्राइवरों की तुरंत होगी भर्ती

नईदिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में सोमवार को कंचनजंघा ट्रेन हादसे के अगले दिन रेलवे बोर्ड ने 18,799 सहायक लोको पॉयलेट (ड्राइवरों) के तत्काल प्रभाव से भर्ती के आदेश जारी किए हैं। रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल रेलवे के महाप्रबंधकों को निर्देश दिए हैं कि ड्राइवर भर्ती प्रक्रिया को एक हफ्ते में पूरा किया जाए। रेलवे के इस फैसले से ओवर ड्यूटी कर रहे ड्राइवरों का बोझ कम होगा और मानवीय चूक (ड्राइवर) से होने वाले हादसों में कमी आएगी। रेलवे बोर्ड के निदेशक-स्थापना (रेलवे भर्ती बोर्ड) विद्याधर शर्मा ने उपरोक्त आदेश मंगलवार को देर शाम जारी किए हैं। इसकी कॉपी हिंदुस्तान के पास है। इस आदेश में उल्लेख है कि 15 दिसंबर 2023 को 5696 सहायक लोको पॉयलेट (एएलपी) के पदों पर भर्ती करने की मंजूरी पहले दी जा चुकी है। लेकिन 16 जोनल रेलवे से एएलपी की अतिरिक्त भर्ती करने की मांग की जा रही थी। रेलवे बोर्ड ने इसकी समीक्षा करने के बाद अब 18,799 एएलपी की भर्ती करने का फैसला किया है। इसमें कहा गया है कि इंडियन रेलवे भर्ती प्रबंधन व्यवस्था (ओआईआरएमएस) रेलवे भर्ती बोर्ड, बंगलुरू की सहायता से एएलपी की भर्ती प्रक्रिया एक सप्ताह में पूरी करेगा। विदित हो कि रेलवे में लंबे समय से ड्राइवरों के पद रिक्त चल रहे हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रेलवे बोर्ड ने ड्राइवरों की ट्रेन चलाने की ड्यूटी नौ घंटे निर्धारित की है। लेकिन कमी के चलते 31 फीसदी से अधिक ड्राइवरों को 10-12 घंटे तक ट्रेनें चलानी पड़ रही हैं।

देवेंद्र फडणवीस नहीं देंगे इस्तीफा, भाजपा ने थमाया महाराष्ट्र विस चुनाव का भी टास्क

मुंबई, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने देवेंद्र फडणवीस से अपने पद पर बने रहने और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में संगठन के लिए काम करने का आग्रह किया है। इसके साथ ही उनके इस्तीफे की पेशकश पर अटकलों का अंत हो गया है। मंगलवार को दिल्ली में कोर कमेटी की बैठक में यह निर्णय लिया गया। भाजपा सूत्र का कहना है कि, भाजपा के शीर्ष नेताओं ने एक बार फिर फडणवीस को सरकार में बने रहने के लिए कहा है। अपने सरकारी कर्तव्यों के साथ-साथ उन्हें पार्टी के लिए संगठनात्मक कार्य करने के लिए कहा गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में कोर कमेटी की बैठक में लोकसभा चुनाव परिणामों की समीक्षा की गई। भाजपा ने विफलता के पीछे स्थानीय कारणों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया। बैठक के दौरान यह मुद्दा भी सामने आया कि पार्टी को एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ अपने गठबंधन से चुनावी लाभ नहीं हुआ। भाजपा नेताओं ने कहा कि गठबंधन का वोट शेयर भाजपा उम्मीदवारों को ट्रांसफर नहीं हुए। हालांकि, भाजपा के वोट शेयर ने शिंदे और पवार दोनों की मदद की है। महाराष्ट्र में सत्ता में होने के बावजूद भाजपा का और गठबंधन का प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा है। ऐसे में चार माह बाद होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की चिंताएं बढ़ी हुई हैं। पार्टी ने राज्य में अपने

पुराने गढ़ विदर्भ को फिर से मजबूत करने और अन्य क्षेत्रों में भी कमजोरी को दूर करने पर विचार किया है। साथ ही गठबंधन को लेकर पुनर्विचार की जरूरत भी बताई गई है। हाल के लोकसभा चुनाव में भाजपा अपने दम पर स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं कर सकी है। जिन राज्यों में पार्टी को बड़ा झटका लगा है, उन में महाराष्ट्र भी शामिल है। यहां की 48 सीटों में से भाजपा को मात्र नौ सीटें ही मिली हैं, जबकि उसके सहयोगी दलों को आठ सीटें मिली हैं। भाजपा पर विपक्षी गठबंधन बहुत भारी पड़ा है और विधानसभा चुनाव को लेकर भी स्थितियां बहुत अनुकूल नहीं दिख रही हैं। बैठक के बाद देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र की कोर टीम ने केंद्रीय नेतृत्व के साथ बैठक की। परिणाम पर विस्तार से चर्चा की। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि महाराष्ट्र में कोई बदलाव नहीं होगा। भाजपा में महाराष्ट्र को लेकर सबसे ज्यादा चिंता इसलिए है, क्योंकि लोकसभा चुनाव में मोदी फैक्टर के साथ उसके नए बने गठबंधन ने भी पूरी तरह काम नहीं किया है। पार्टी को लोकसभा चुनाव में भारी नुकसान हुआ है। पिछले चुनाव में जहां उसने 23 सीटें जीती थी, वहां पर उसे इस बार केवल 9 सीटों से ही संतोष करना पड़ा है। उसका गठबंधन भी कमजोर पड़ा है और शिवसेना (शिंदे) को सात एवं राकांपा (अजित पवार) को एक सीट मिली है। यानी राज्य की 48 सीटों में केवल 17 सीटें ही राजग के खाते में आई हैं। ऐसे में विपक्षी खेमे के हौसले बुलंद हैं। वह विधानसभा चुनाव के लिए मजबूती से ताल ठोक रहा है।

सूत्रों के अनुसार भाजपा नेतृत्व ने बैठक में पार्टी और गठबंधन दोनों की हार को लेकर राज्य के नेताओं से विस्तृत जानकारी ली और जिन सीटों पर कम अंतर से पार्टी की हार हुई, उसकी वजह भी जानी। इसके अलावा, विपक्षी गठबंधन को लाभ मिलने के कारणों की चर्चा की गई। गौरतलब है कि भाजपा ने राज्य में अपनी सरकार का गठन शिवसेना के विभाजन से किया था और बाद में राकांपा का भी विभाजन कर सरकार को मजबूत किया था। हालांकि, लोकसभा चुनाव में यह गठबंधन अपना असर नहीं दिखा सका। ऐसे में भाजपा नेतृत्व गठबंधन को मजबूत करने के लिए नए सिरे से भी विचार कर रहा है। भाजपा को डर भी है कि अजित पवार वाला धड़ा वापस शरद पवार के साथ भी जा सकता है। केंद्रीय मंत्रिमंडल में मंत्री बनने के मुद्दे पर भी उसके साथ टकराव रहा है। अजित पवार ने सरकार में शामिल होने से इनकार कर दिया था। उधर, अजित पवार के समर्थक विधायकों में भी खलबली मची हुई है। ऐसे में भाजपा बेहद संभलकर आगे की रणनीति बना रही है। बैठक में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, संगठन महासचिव बीएल संतोष, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले, अशोक चव्हाण, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव आदि नेता मौजूद थे।

महाराष्ट्र चुनाव के लिए महा विकास अघाड़ी जारी कर सकता है संयुक्त घोषणापत्र, किसानों के मुद्दे होंगे अहम

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र लोकसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन को चौंकाने के बाद महा विकास अघाड़ी विधानसभा चुनाव में भी झटका देने की तैयारी कर रही है। राज्य विधानसभा चुनाव के लिए उद्धव ठाकरे, कांग्रेस और शरद पवार साथ लड़ने का फैसला कर चुके हैं। सूत्रों का कहना है कि ये तीनों पार्टियां सीट फॉर्मूला तय करने से पहले संयुक्त घोषणापत्र जारी कर सकती है। यह जानकारी भी सामने आई है कि घोषणापत्र में किसानों के मुद्दों को प्राथमिकता दी जा सकती है। हाल ही में संपन्न हुए आम चुनावों में महा विकास अघाड़ी ने राज्य में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन से बेहतर प्रदर्शन किया। एमवीए ने 48 में से 30 सीटें हासिल कीं। ऐसे में उद्धव, शरद पवार और कांग्रेस तीनों को विधानसभा चुनाव में भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। इसलिए तीनों दलों ने चुनावी तैयारियों में तेजी लाने का फैसला लिया है। संयुक्त घोषणापत्र महा विकास अघाटी से जुड़े एक सूत्र ने कहा, गठबंधन के सहयोगियों को लगता है कि लोगों को उनसे बहुत उम्मीदें हैं। इसलिए घोषणापत्र तैयार करते समय, वे यह सुनिश्चित करेंगे कि समुदायों के सभी लोगों को समान और निष्पक्ष प्रतिनिधित्व मिले। सूत्रों ने आगे बताया कि एमवीए गठबंधन के लिए संयुक्त घोषणापत्र का मसौदा तैयार करने के लिए एक समिति का गठन करेगा। इस समिति में गठबंधन में शामिल सभी दलों को बराबर तवज्जो मिलेगी। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि समिति का नेतृत्व कौन करेगा और इसमें कितने सदस्य होंगे लेकिन, सूत्र ने बताया कि घोषणापत्र में किसानों के मुद्दे अहम हो सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि एमवीए के शीर्ष नेताओं ने एक बैठक भी है।

भजनलाल सरकार का बड़ा निर्णय- राजस्थान पुलिस भर्ती में महिलाओं के लिए आरक्षण बढ़ा

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान की भजनलाल सरकार ने शिक्षक भर्ती के बाद अब पुलिस भर्ती में महिलाओं को बड़ी राहत दी है। पुलिस भर्ती में अब महिला आरक्षण 30 फीसदी से बढ़ाकर 33 फीसदी कर दिया गया है। इससे पहले सरकार ने शिक्षक भर्ती में महिला आरक्षण 30 फीसदी से बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया था। इसके साथ ही सरकार बेरोजगार युवाओं के के लिए नौकरी का पिटारा खोलने जा रही है। दूसरी तरफ राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड 1963 पटवारियों की सीधी भर्ती करने जा रहा हैय़ ऋस्क्रइन पदों की भर्ती करेगा राजस्थान सरकार से वित्तीय मंजूरी मिल गई है। इनमें 1680 पद नॉन गैर अनुसूचित क्षेत्र तथा 283 अनुसूचित क्षेत्र के लिए रिजर्व हैं उल्लेखनीय है कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव के समय अपने संकल्प पत्र में घोषणा की थी कि अगर हमारी पार्टी सत्ता में आई तो राजस्थान की महिलाओं को कई सौगात देगी। इसके बाद राजस्थान में भाजपा की सरकार बनते ही वित्त मंत्री ने महिला आरक्षण बढ़ाने के लिए मंजूरी जारी की थी। अब सरकारी स्तर पर इसे मंजूरी दे दी गई है। बता दें कि इससे पहले महिलाओं को 30 फीसदी आरक्षण में 8 फीसदी विधवा व 2 फीसदी परित्यागता का कोटा था। अभी पुलिस विभाग में 10 फीसदी महिलाएं कार्यरत है।

यदि हमें टारगेट किया जाता रहा तो फिर हम गठबंधन पर अलग स्टैंड भी ले सकते हैं: एनसीपी नेता अमोल मितकारी

मुंबई, एजेंसी। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों में भाजपा समेत एनडीए को महाराष्ट्र में झटका लगा है। इसे लेकर भाजपा और संघ के कई लोगों ने अजित पवार की एनसीपी के साथ गठजोड़ को जिम्मेदार ठहराया था। अब इस पर एनसीपी ने भी खुलकर पलटवार किया है। इसके साथ ही एनसीपी ने चेतावनी भी दी है कि यदि हमें इसी तरह टारगेट किया जाता रहा तो फिर हम गठबंधन पर अलग स्टैंड भी ले सकते हैं। एनसीपी नेता अमोल मितकारी ने कहा, हमें पता चला है कि भाजपा के विधायक हार के लिए अजित पवार को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। मैं ऐसे लोगों को बता देना चाहता हूं कि यदि इसी तरह लगातार अजित पवार का निशाना बनाया जाता रहा तो फिर हमें अलग स्टैंड लेने पर विचार करना पड़ सकता है।

दरअसल खबरें थीं कि भाजपा विधायकों ने नतीजों की समीक्षा के लिए बुलाई मीटिंग में अजित पवार गुट के साथ गठजोड़ को खराब नतीजों के लिए जिम्मेदार बताया था। इसी को लेकर अब एनसीपी के नेता भड़के हुए हैं। एनसीपी के कुछ नेताओं ने तो हार के लिए भाजपा को ही निशाने पर लिया है। एक नेता ने कहा कि संघ के साथ क्या हुआ, यह उनका अपना मसला है। अजित पवार की वजह से भाजपा को कोई नुकसान नहीं हुआ। ऐसा हो सकता है कि भाजपा के खिलाफ लोगों के गुस्से ने हमें नुकसान पहुंचाया हो। भाजपा के नेता लगातार 400 पार और संविधान बदलने की बात कर रहे थे। शायद इसी का नुकसान हुआ है। एनसीपी नेता ने कहा कि अजित

पवार की ओबीसी समुदाय के बीच बड़ी पैठ है। ऐसे में एनसीपी ने बड़ी कोशिश की थी कि डैमेज कंट्रोल कर लिया जाए, लेकिन भाजपा के कुछ नेता ऐसे हैं, जो मन में आता है वही बोलते हैं। ऐसे नेताों के चलते भी नुकसान हुआ है। एनसीपी ने कहा कि हम ही नहीं बल्कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना भी मानती है कि भाजपा नेताओं के बड़बोलेपन और 400 पार के नारे की वजह से ऐसे नतीजे आए हैं। वहीं एनसीपी के नेता सुनील तटकरे ने कहा कि गठबंधन में सब सही है। हमने भाजपा के सीनियर नेताओं से बात की है, जिन्होंने ऐसी कोई बात नहीं कही।

आरएसएस की पत्रिका में लेख छपने से बढ़ा मामला बता दें कि यह मसला आरएसएस से जुड़ी ऑर्गनाइजर पत्रिका में छपे एक लेख से उठा था। रतन शारदा की ओर से लिखे इस आर्टिकल में महाराष्ट्र में एनसीपी के साथ गठजोड़ को हार की वजह बताया गया था। इसके बाद फिर भाजपा की समीक्षा बैठक में विधायकों की ओर से भी ऐसी ही राय रखी गई। हालांकि अब तक महाराष्ट्र भाजपा के किसी सीनियर नेता या फिर केंद्र में किसी लीडर ने इस पर कुछ नहीं कहा है।

फिर मिलेगा जनता का आशीर्वाद, शिव मंदिर में पूजा; हमीरपुर से भाजपा उम्मीदवार ने कांग्रेस पर क्या लगाए आरोप

हमीरपुर , एजेंसी। हमीरपुर सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार आशीष शर्मा ने मंगलवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इससे पहले, भाजपा नेताओं ने एक रैली कर अपना शक्ति प्रदर्शन भी किया। शर्मा उन तीन निर्दलीय विधायकों में से एक हैं जिन्होंने 27 फरवरी को हुए राज्यसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार हर्ष महाजन के पक्ष में मतदान किया था। बाद में तीनों ने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था और भाजपा का दामन थाम लिया था।

राज्य की तीन विधानसभा सीटों हमीरपुर, नालागढ़ और देहरा में 10 जुलाई को उपचुनाव के तहत मतदान होने हैं। नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले, शर्मा ने अपनी पत्नी के साथ गसोता में एक शिव मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि उनकी जीत निश्चित है क्योंकि उन्होंने अपनी क्षमता के अनुसार निर्वाचन क्षेत्र की सेवा की है और आगे भी करते रहेंगे।

बाद में, भाजपा ने एक रैली में एकजुटता का प्रदर्शन किया जिसमें राज्य और जिला स्तर के सभी वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया।

रैली को संबोधित करते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव बिंदल ने कांग्रेस नीत राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए इसे केवल 'मित्रों की सरकार' करार दिया। बिंदल ने कहा, 'एक तरफ, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू कर्ज की देनदारी के बारे में रोते हैं और दूसरी तरफ दोस्तों के लिए उदारता से पैसा खर्च करते हैं।'

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के दर्जनों दोस्तों ने चुनाव लड़े बिना कैबिनेट रैंक हासिल कर लिया है और वे सरकारी खजाने पर बोझ बन गए हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री और स्थानीय सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि भाजपा लोगों की पार्टी है और यह पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान साबित हो गया, जिसमें भाजपा ने राज्य की सभी चार सीटें जीतीं। ठाकुर ने लोगों से तीनों विधानसभा सीटों पर भाजपा को वोट देने का आह्वान करते हुए कहा कि कांग्रेस राष्ट्र को नुकसान पहुंचा रही है और ऐसे मुद्दे उठा रही है जो वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिक नहीं हैं।

शर्मा ने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार को 'जनविरोधी' करार दिया तथा लोगों से उसे सत्ता से बाहर करने का आह्वान किया। पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता जय राम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस को सत्ता से बेदखल करने का समय आ गया है ताकि लोगों के वास्तविक हित के लिए काम करने वाली लोकतांत्रिक सरकार बनने का मार्ग प्रशस्त किया जा सके। कांग्रेस ने इस सीट से पुष्पेंद्र वर्मा को मैदान में उतारा है। साल 2022 के विधानसभा चुनावों में आशीष शर्मा ने पुष्पेंद्र वर्मा को 12,899 मतों के अंतर से हराया था। शर्मा इस चुनाव में बतौर निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में थे।

बंगाल भाजपा में कलह पर हाईकमान का पहला ऐक्शन, कैंडिडेट को ही पार्टी से निकाला

कोलकाता, एजेंसी। लोकसभा चुनाव में उम्मीद से कमतर प्रदर्शन के बाद बंगाल भाजपा में कलह मची हुई है। इस बीच भाजपा ने पहला बड़ा ऐक्शन लेते हुए लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार रहे अभिजीत दास बॉबी को पार्टी से बाहर कर दिया है। वह डायमंड हार्बर लोकसभा सीट से ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के खिलाफ उतरे थे। पार्टी ने लोकसभा चुनाव नतीजों के 15 दिनों के अंदर ही यह बड़ा फैसला लिया है। अभिजीत दास पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगा था। इसे लेकर राज्य इकाई ने अभिजीत दास को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इस नोटिस पर उन्हें 7 दिन के अंदर ही जवाब देना था, लेकिन उनकी ओर से कोई उत्तर नहीं दिया गया। इसके बाद पार्टी ने यह ऐक्शन लिया है। अभिजीत दास का कारण बताओ नोटिस पर कहना था कि मुझे ऐसा कोई लेटर नहीं मिला है। भाजपा की अनुशासन समिति के सदस्य प्रताप बनर्जी ने मंगलवार को इस ऐक्शन की जानकारी अभिजीत दास बॉबी को दी और बताया कि उन्हें पार्टी से बाहर किया जाता है। ऐसा पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते किया जा रहा है। लेटर के अनुसार अभिजीत दास भाजपा की मंगलवार को हुई उस मीटिंग में भी नहीं पहुंचे, जो चुनाव बाद हिंसा को लेकर बुलाई गई थी। अनुशासन समिति की सिफारिश पर प्रदेश अध्यक्ष ने किया बाहर बंगाल भाजपा के अध्यक्ष सुकांत

मजूमदार ने अनुशासन समिति की सिफारिश पर अभिजीत दास को बाहर कर दिया। बता दें कि मंगलवार को ही भाजपा की केंद्रीय टीम भी डायमंड हार्बर समेत बंगाल के कई इलाकों में पहुंची थी। यह टीम चुनाव बाद हुई हिंसा की घटनाओं का जायजा लेने आई थी। इस दौरान जब टीम डायमंड हार्बर पहुंची तो अभिजीत दास के घर के बाहर उसे कार्यकर्ताओं ने घेर लिया। दोपहर में विरोध प्रदर्शन और शाम को हाईकमान का ऐक्शन इन लोगों का आरोप था कि जिला अध्यक्ष सहयोग नहीं कर रहे हैं। ऐसे में हिंसा के बाद उन्हें अभिजीत दास के घर में ही शरण लेनी पड़ी। दोपहर में यह विरोध हुआ था और शाम तक अभिजीत दास को बाहर कर दिया गया।

असदुद्दीन ओवैसी ने की नीट-यूजी 2024 की दोबारा परीक्षा कराने की मांग

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने नीट-यूजी 2024 परीक्षा में कथित अनियमितताओं के लिए केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक सरकार (एनडीए) पर निशाना साधा और उच्चतम न्यायालय की निगरानी में दोबारा परीक्षा कराने की मांग की। दारुस्सलाम में स्थित पार्टी मुख्यालय में मंगलवार को एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ''नीट परीक्षा मजाक बन कर रह गई है।'' देशभर के 12वीं के छात्रों की बोर्ड परीक्षाओं से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उनसे की गई बातचीत पर कटाक्ष करते हुए ओवैसी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने छात्रों का भविष्य बर्बाद कर दिया है और उनके माता-पिता के सपने चकनाचूर कर दिए हैं। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने पांच मई को देशभर के 4,750 केंद्रों पर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (स्नातक स्तर) अथवा नीट-यूजी आयोजित की थी, जिसमें लगभग 24 लाख अभ्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। चार जून को परिणाम जारी किए गए थे। बिहार जैसे राज्यों में नीट-यूजी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने और परीक्षा में धांधली के आरोप लगे थे। जिसके

बाद कई शहरों में प्रदर्शन भी हुआ था। साथ ही छात्रों ने परीक्षा में कथित अनियमितताओं के लिए कई उच्च न्यायालयों के साथ-साथ उच्चतम न्यायालय में याचिकाएं दायर की थीं।

ओवैसी ने कहा, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) वालों कुछ शर्म करो। 24 लाख बच्चे परीक्षा में बैठे थे। आप कह रहे हैं कि हम सिर्फ 1500 के लिए दोबारा से परीक्षा आयोजित करेंगे और कृपांक हटाएंगे। परीक्षा दोबारा से कराई जानी चाहिए। एनटीए बकवास है। इसका प्रमुख मध्य प्रदेश से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का एक आदमी है।

उन्होंने कहा कि एआईएमआईएम मांग करती है कि मोदी सरकार दोबारा से नीट की परीक्षा आयोजित कराए और उच्चतम न्यायालय को इसकी निगरानी करनी चाहिए। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, एनटीए ये नहीं कर सकता। एनटीए बेकार हो गया। एआईएमआईएम अध्यक्ष ने दावा किया कि नीट अमीर लोगों के बच्चों के लिए फायदेमंद है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शिक्षा विरोधी सरकार है। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को अपने मन की बात कार्यक्रम में उच्चतम न्यायालय की निगरानी में नीट परीक्षा को फिर से आयोजित करने के बारे में बोलना चाहिए।

ऐसा पहली बार हुआ था कि नीट-यूजी में 67 छात्रों को 720 में से 720 अंक मिले, जिसमें हरियाणा के फरीदाबाद के एक केंद्र से छह छात्र शामिल हैं। जिससे परीक्षा में धांधलेबाजी होने के आरोप लगे। यह भी आरोप लगाया गया कि कृपांक की वजह से 67 बच्चों को पहली रैंक मिली।

फुटबॉल

कोच पद छिनने के बाद इगोर स्टिमैक ने दी एआईएफएफ को चेतावनी, कहा- 10 दिन में भुगतान करो नहीं तो..

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टिमैक पिछले साल सैफ चैम्पियनशिप, त्रिकोणीय सीरीज और इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीतकर एक साल में तीन ट्रॉफी जीतने वाले पहले भारतीय कोच बने थे। हालांकि, भारत इस साल एएफसी एशियाई कप में आस्ट्रेलिया, सीरिया और उज्बेकिस्तान से हार गया था।

भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व मुख्य कोच इगोर स्टिमैक और अखिल भारतीय फुटबॉल संघ के बीच ठन गई है। दिग्गज ने हेड कोच पद से बर्खास्त किए जाने के बाद एआईएफएफ को चेतावनी दी है कि 10 दिन में उनका बकाया भुगतान नहीं किया गया तो वह फीफा ट्रिब्यूनल में उसके खिलाफ मामला दर्ज करेंगे। दरअसल, हाल ही में हुए फीफा विश्व कप 2024 क्वालिफायर में टीम इंडिया का प्रदर्शन खराब रहा था। इसके बाद एआईएफएफ ने स्टिमैक को हेड कोच पद से बर्खास्त कर दिया था। भारतीय टीम ने दूसरे राउंड में कुवैत से ड्रॉ खेला था, जबकि कतर से अहम मुकाबले में हार गई थी। ऐसे में टीम इंडिया ने पहली बार फीफा विश्व कप क्वालिफायर के तीसरे दौर में जगह बनाने का मौका गंवा दिया था।

स्टिमैक ने दी चेतावनी

स्टिमैक ने एआईएफएफअध्यक्ष कल्याण चौबे पर भड़ास निकालते हुए उनका अनुबंध कई बार तोड़ने का आरोप लगाया। इसके अलावा उन्होंने क्वालिफायर में भारत के दूसरे दौर से आगे नहीं जा पाने के लिए चौबे को ही जिम्मेदार ठहराया।

स्टिमैक ने कहा, मैं समय से पहले इस तरह अपना अनुबंध खत्म किये जाने के कारण दस दिन के भीतर अपना बकाया भुगतान किये जाने के लिये कह रहा हूं। यह रकम वही होगी जो अनुबंध के कार्यकाल में मुझे मिलनी थी। ऐसा नहीं करने पर मैं फीफा की ट्रिब्यूनल में एआईएफएफ के खिलाफ मामला दर्ज करूंगा।

स्टिमैक के नेतृत्व में कई खिताब जीते

स्टिमैक पिछले साल सैफ चैम्पियनशिप, त्रिकोणीय सीरीज और इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीतकर एक साल में तीन ट्रॉफी जीतने वाले पहले भारतीय कोच बने थे।

हालांकि, भारत इस साल एएफसी एशियाई कप में आस्ट्रेलिया, सीरिया और उज्बेकिस्तान से हार गया था। इसके बाद विश्व कप क्वालिफायर में खराब प्रदर्शन ने एआईएफएफ को उन्हें बर्खास्त करने के लिए मजबूर कर दिया।

नीरज चोपड़ा पावो नूरमी खेलों के बने विजेता

जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। नीरज के अलावा टोनी केरानेन 84.19 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे और ओलिवियर हेलांडर 83.96 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने पावो नूरमी खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। नीरज ने ओलंपिक से पहले हुए इन खेलों में 85.97 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया और स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे। नीरज के अलावा फिनलैंड के टोनी केरानेन ने 84.19 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहकर रजत पदक और ओलिवियर हेलांडर ने 83.96 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता।

बढ़त लेने के बाद पिछड़ गए थे नीरज

नीरज चोपड़ा सबसे पहले थ्रो करने आए और उन्होंने पहली ही बार में 83.62 मीटर का थ्रो किया। विश्व चैंपियन नीरज की यह खराब शुरुआत नहीं थी।

नीरज एंडरसन पीटर्स से आगे रहे जिन्होंने पहली बार में 82.58 मीटर का थ्रो किया। दूसरे प्रयास में नीरज ने 83.45 मीटर का थ्रो किया जो उनके शुरुआती प्रयास से बेहतर नहीं था। दूसरे प्रयास के बाद नीरज पिछड़ गए थे और ओलिवियर हेलांडर ने बढ़त बना ली थी। ओलिवियर ने दूसरे प्रयास में 83.96 मीटर का थ्रो किया था। इससे नीरज दूसरे स्थान पर खिसक गए थे।

तीसरे प्रयास में नीरज ने की वापसी

दूसरे प्रयास में पिछड़ने के बाद हालांकि, नीरज ने तीसरे प्रयास में शानदार वापसी की और 85.97 मीटर का थ्रो कर बढ़त हासिल कर ली। नीरज का यह सर्वश्रेष्ठ थ्रो रहा। नीरज आठ भाला फेंक एथलीटों में एकमात्र खिलाड़ी रहे जिन्होंने 85 मीटर के थ्रो को पार किया। वहीं, ओलिवियर अपने तीसरे प्रयास में 83 मीटर के पार भी नहीं जा सके और उन्होंने 82.60 मीटर का थ्रो किया। तीसरा प्रयास समाप्त होने के बाद नीरज ने अपनी बढ़त बनाए रखी।

मैक्स डेहिंग का निराशाजनक प्रदर्शन

प्रतिष्ठित 90 मीटर क्लब के सबसे कम उम्र के सदस्य जर्मनी के मैक्स डेहिंग का प्रदर्शन निराशाजनक रहा।

माना जा रहा था कि वह नीरज चोपड़ा को कड़ी टक्कर देंगे, लेकिन उन्होंने पहले प्रयास में 79.84 मीटर का थ्रो किया, जबकि दूसरे प्रयास में फाउल कर बैठे। उन्होंने तीसरा प्रयास नहीं किया और चौथे प्रयास में 79.04 मीटर का थ्रो ही कर सके। इसके बाद उन्होंने पांचवें प्रयास में भी फाउल किया और छठे प्रयास में 77.81 मीटर का थ्रो फेंका।

अंत तक बरकरार रखी बढ़त

नीरज ने चौथे प्रयास में 82.21 मीटर का थ्रो किया। नीरज का यह इस मुकाबले का सबसे कमजोर थ्रो रहा, लेकिन इससे उनकी बढ़त पर कोई फर्क नहीं पड़ा क्योंकि अन्य कोई एथलीट उनके सर्वश्रेष्ठ थ्रो के करीब भी नहीं पहुंच सका। इस तरह नीरज ने चौथे प्रयास के समाप्त होने के बाद भी अपनी बढ़त को बरकरार रखा। नीरज पांचवें प्रयास में फाउल कर बैठे, लेकिन राहत की बात यह रही कि इस प्रयास में भी कोई नीरज को पीछे नहीं छोड़ सका और पांचवें प्रयास की समाप्ति के बाद भी टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता इस खिलाड़ी की बादशाहत बरकरार रही। पांचवें प्रयास में आंद्रियन मारडारे ही 82 मीटर के थ्रो को पार कर सके, जबकि नीरज सहित तीन खिलाड़ियों ने फाउल किया। हालांकि, छठे प्रयास में नीरज ने 82.97 मीटर का थ्रो किया। दिलचस्प बात यह रही कि अंतिम प्रयास में नीरज और मैक्स डेहिंग ही सफल प्रयास कर सके, जबकि अन्य सभी खिलाड़ियों ने फाउल किया।

यूरो 2024

फ्रांस के एमबाप्पे नाक की चोट के कारण ग्रुप चरण के शेष मैच नहीं खेल पाएंगे

डसेलडॉर्फ, एजेंसी। फ्रांस के कप्तान किलियन एमबाप्पे नाक की चोट के कारण यूरो कप के शेष ग्रुप चरण के मैच नहीं खेल पाएंगे। एमबाप्पे को यह चोट ऑस्ट्रिया के खिलाफ सोमवार रात उनके मैच के दौरान लगी थी जिसे फ्रांस ने 1-0 से जीता था।

एमबाप्पे को यह चोट ऑस्ट्रिया के डिफेंडर केविन डोन्सा से टकराने से लगी थी जिसके बाद उन्हें बाहर जाना पड़ा था।

द गार्जियन की एक रिपोर्ट के अनुसार एमबाप्पे ग्रुप चरण के शेष दो मैच नहीं खेल पाएंगे और नॉकऑउट चरण में टीम के मैच के लिए उपलब्ध होंगे। फ्रेंच फुटबाल महासंघ ने एक बयान में पुष्टि की है कि स्ट्राइकर की नाक टूट गयी है और वह राष्ट्रीय टीम बेस कैंप में लौटेंगे। फिलहाल उनकी सर्जरी की जरूरत नहीं है। बयान में कहा गया इस सोमवार को डसेलडोर्फ में आयोजित ऑस्ट्रिया-फ्रांस मैच के दूसरे हाफ के दौरान किलियन एमबाप्पे की नाक टूट गई। फ्रांस के कप्तान का इलाज सबसे पहले मेडिकल स्टाफ और डॉ. फ्रैंक ले गाल ने किया, जिन्होंने उनकी नाक में फ्रैक्चर का पता लगाया। एमबाप्पे को अगले कुछ दिनों में इलाज मिलेगा, लेकिन तत्काल भविष्य में उनकी सर्जरी नहीं होगी। उनके लिए एक मुखौटा बनाया जाएगा ताकि फ्रांसीसी राष्ट्रीय टीम का नंबर 10 उपचार के लिए समर्पित अवधि के बाद प्रतियोगिता में वापसी के लिए तैयारी कर सके। फ्रांस को अपने अगले गेम में शनिवार, 22 जून को टेबल टॉपर्स नीदरलैंड्स के खिलाफ एक बड़ा मैच खेलना है।

महत्वपूर्ण मैच के लिए एमबाप्पे की उपलब्धता गंभीर संदेह में है और अंतिम ग्रुप ई मैच में पोलैंड के खिलाफ खेलने की उनकी संभावनाओं को निर्धारित करने के लिए अगले सप्ताह उनकी स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जाएगी।

भारत के नंबर एक गोल्फर शुभंकर शर्मा ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के नंबर एक पुरुष गोल्फर शुभंकर शर्मा, पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में सेंट-क्वेंटिन-एन-यवेलिन्स में प्रतिष्ठित गोल्फ नेशनल कोर्स में देश के लिए प्रशिक्षण लेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय गोल्फ महासंघ (आईजीएफ) द्वारा 1-4 अगस्त, 2024 के बीच होने वाले ओलंपिक गोल्फ टूर्नामेंट के लिए 60 पुरुष और महिला गोल्फरों की ओलंपिक योग्यता सूची का खुलासा करने के बाद इसकी पुष्टि की गई। शुभंकर, जिनकी आधिकारिक विश्व गोल्फ रैंकिंग (ओडब्ल्यूजीआर) 222 है, ने 48 की ओलंपिक रैंक के साथ क्वालीफाई किया और चंडीगढ़ के खिलाड़ी के लिए खेलों में पदार्पण का मार्ग प्रशस्त किया। उनके साथ गगनजीत भुल्लर भी शामिल होंगे जिन्होंने 54वीं ओलंपिक रैंक के साथ क्वालीफाई किया था और जो अपना ओलंपिक डेब्यू भी करेंगे। अदिति अशोक और दीक्षा डागर भी महिला टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। 27 वर्षीय भारतीय, जिन्होंने हाल ही में राउंडग्लास स्पोर्ट्स के ब्रांड एंबेसडर के रूप में हस्ताक्षर किए हैं, डीपी वर्ल्ड टूर (पूर्व में यूरोपीय टूर) पर दो बार विजेता हैं और उनके नाम आठ करियर खिताब हैं। वह इस महीने एम्स्टर्डम में केएलएम ओपन और इटालियन ओपन में एक्शन में दिखाई देंगे, जो दोनों डीपी वर्ल्ड टूर का हिस्सा हैं। इस मौके पर अपने विचार साझा करते हुए शुभंकर शर्मा ने कहा, ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करना सौभाग्य और सम्मान की बात है। जाहिर तौर पर यह एक सपने के सच होने जैसा है।

हमारे पास गगनजीत, अदिति, दीक्षा और खुद की एक बहुत अच्छी और अनुभवी टीम है। हमारे पीछे गहराई और अनुभव है। इस समय सभी अपने-अपने टूर पर भी ठोस गोल्फ खेल रहे हैं और यह एक अच्छा संकेत है। यदि ओलंपिक सप्ताह हमारे अनुकूल रहा तो पुरुष और महिला दोनों टीमों के लिए कोई भी पदक संभव है। निजी तौर पर कहूं तो, मेरा खेल सही दिशा में चल रहा है और मैं अच्छा प्रदर्शन करने के लिए तैयार हूं। शुभंकर एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, जो 2013 में 16 साल की उम्र में प्रोफेशनल बन गए। वह वर्तमान में विश्व स्तर पर पुरुषों के पेशेवर गोल्फ में सर्वोच्च रैंक वाले भारतीय हैं और 2018 में एशिया में नंबर 1 खिलाड़ी थे।

शुभंकर ने सभी गोल्फ मेजर्स में कई बार प्रदर्शन किया है और दुनिया की सबसे पुरानी गोल्फ चैंपियनशिप द ओपन में किसी भारतीय द्वारा अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया है। पिछले साल लिवरपूल में 151वें ओपन में वह संयुक्त आठवें स्थान पर रहे थे।

वर्ल्ड कप में भारतीय टीम के लिए खतरे की घंटी...

उस मैदान पर उतरेगी, जहां अब तक नहीं जीते

नईदिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर-8 में एंट्री कर ली है. यहां उसका पहला मुकाबला 20 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ होगा. यह मैच बारबाडोस की राजधानी ब्रिजटाउन के केनिंग्सटन ओवल मैदान पर खेला जाएगा. भारतीय टीम के लिए यह मैदान अब तक बेहद अनलकी रहा है. उसने इस मैदान पर अब तक एक भी टी20 मुकाबला नहीं जीता है. यानी जीत का खाता तक नहीं खुला. ऐसे में टीम के लिए पहले ही खतरे की घंटी बज गई है.

ब्रिजटाउन में भारत अब तक टी20 मैच नहीं जीता

भारतीय टीम ने ब्रिजटाउन के केनिंग्सटन ओवल मैदान पर अब तक 2 ही टी20 मुकाबले खेले हैं और दोनों में हार मिली. यह दोनों मुकाबले मई 2010 में खेले थे. इसके बाद से अब तक टीम ने यहां कोई भी टी20 मैच नहीं खेला. यानी भारतीय टीम इस मैदान पर 14 साल बाद कोई टी20 मैच खेलने उतरेगी.

भारतीय टीम ने इस मैदान पर दो टी20 मैच खेले

- ब्रिजटाउन के केनिंग्सटन ओवल मैदान पर भारतीय टीम ने अपना पहला टी20 मैच 7 मई 2010 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था, जिसमें 49 रनों से हार झेलनी पड़ी थी. तब महेंद्र सिंह धोनी ही कप्तान थे.

- इसके बाद केनिंग्सटन ओवल मैदान पर भारतीय टीम ने अपना दूसरा टी20 मुकाबला 9 मई 2010 को वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था. इस मुकाबले में भारतीय टीम को 14 रनों से हार मिली थी. यानी कि दोनों ही मुकाबलों में भारतीय टीम ने बाद में बल्लेबाजी की.

टी20 वर्ल्ड कप खत्म होते ही रिटायर हो जाएगा ये ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी

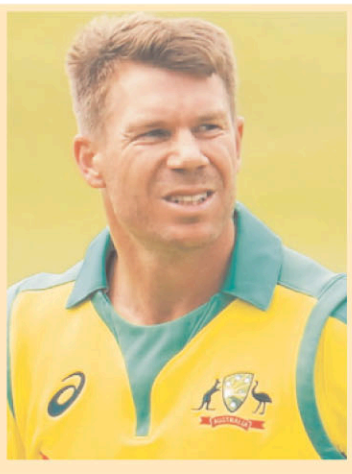

पर्थ, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप का सुपर 8 राउंड शुरू होने वाला है। टूर्नामेंट के सुपर 8 में पहुंची ऑस्ट्रेलियाई टीम के एक खिलाड़ी ने बड़ा बयान दिया है। यह खिलाड़ी कोई और नहीं बल्कि डेविड वॉर्नर हैं। डेविड वॉर्नर इस बात से राहत महसूस कर रहे हैं कि वह टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद संन्यास ले लेंगे।

आपको बता दें कि वॉर्नर ने वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले ही इस बात का ऐलान कर दिया था कि वह वर्ल्ड कप खत्म होते ही संन्यास का ऐलान करेंगे। वॉर्नर का मानना है कि असली क्रिकेट फैंस उन्हें ऐसे खिलाड़ी के रूप में देखेंगे जिसने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से खेल को बदलने की कोशिश की जबकि वह एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिसे आलोचनाओं का सामना करना पड़ा।

वॉर्नर पर लगा था बैन

वॉर्नर ने इस साल की शुरुआत में ही टेस्ट और वनडे फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था। अब वह अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले जा रहे वर्ल्ड कप के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। 37 साल के वॉर्नर को साल 2018 में सैंडपेपर गेट प्रकरण में शामिल होने के कारण क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक साल के लिए बैन किया गया था, लेकिन नेशनल टीम में वापसी के बाद से उन्हें काफी सफलता मिली है।

वर्ल्ड कप के बीच वॉर्नर ने अपने एक बयान के दौरान कहा कि वापसी करते हुए 2018 से मैं शायद अकेला ऐसा खिलाड़ी रहा हूं जिसने बहुत आलोचना झेली है। जब मैं वापस आया तो मेरे लिए चीजें आसान नहीं थी और मुझे यह पता था। मैंने अपने करियर में काफी कुछ झेला है। मैं शायद अकेला ऐसा खिलाड़ी रहा हूं जिसने बहुत आलोचना झेली है, चाहे वे लोग हों जो ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को पसंद नहीं करते या मुझे पसंद नहीं करते।

टी-20 वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन के बाद

केन विलियमसन ने छोड़ी न्यूजीलैंड टीम की कप्तानी

नईदिल्ली, एजेंसी। आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2024 में न्यूजीलैंड का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा और वह सुपर 8 में भी नहीं पहुंच सकी. न्यूजीलैंड को पहले अफगानिस्तान के खिलाफ 84 रनों से हार झेलनी पड़ी. फिर उसे सह मेजबान वेस्टइंडीज ने 13 रनों से हरा दिया. कीवी टीम ने इसके बाद युगांडा को 9 विकेट और पापुआ न्यू गिनी को सात विकेट से हराया. सुपर 8 में पहुंचाने के लिए नाकाफी था. ग्रुप सी से अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज ने प्लेऑफ में जगह बनाई.

विलियमसन के इंटरनेशनल करियर का क्या होगा?

न्यूजीलैंड के टी20 वर्ल्ड कप से जल्दी बाहर होने के बाद केन विलियमसन ने वनडे और टी20 टीम की कप्तानी छोड़ दी है. साथ ही विलियमसन ने 2024-25 सीजन के लिए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट भी ठुकरा दिया. विलियमसन टेस्ट टीम की कप्तानी पहले ही छोड़ चुके थे.

बाढ़ से जुड़ी सूचनाओं का समय पर आदान-प्रदान करें : कमिश्नर

वर्चुअल माध्यम से आयोजित अन्तर्राज्यीय बैठक में आपदा प्रबंधन की हुई समीक्षा

रीवा। कमिश्नर कार्यालय सभागार में बाढ़ नियंत्रण के लिए अन्तर्राज्यीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में रीवा के अलावा सोनभद्र, प्रयागराज तथा मिर्जापुर के अधिकारी वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। बैठक में कमिश्नर गोपालचन्द्र डाड ने कहा कि रीवा जिले के त्योंथर क्षेत्र के 100 से अधिक गांवों में बाढ़ का प्रकोप होता है। रीवा में बीहर, बिछिया और टमस नदी तथा मिर्जापुर उत्तरप्रदेश की बेलन नदी के जलग्रहण क्षेत्र में एक साथ लगातार भारी वर्षा से बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होती है। इससे निपटने के लिए मिर्जापुर के अधिकारी सिरसी, मेजा तथा अदवा बांधों के जल भराव के प्लान की जानकारी उपलब्ध कराएं। इसके प्रस्तावित

आपरेशनल मैन्युअल में आवश्यक संशोधन करें। बांधों को माह तक उसे तीन से चार मीटर खाली रखें जिससे अचानक पानी की आवक बढ़ने पर उसमें नियंत्रण किया जा सके। बाढ़ संबंधी सूचनाओं का समय पर आदान-प्रदान करें। रीवा और मिर्जापुर के अधिकारी समन्वय से बाढ़ नियंत्रण के प्रयास करें। जब बेलन नदी में पानी की आवक अधिक होगी तो बकिया बराज से पानी नहीं छोड़ा जाएगा। इसी तरह यदि टमस नदी के जलग्रहण क्षेत्र में लगातार बारिश होने के समय बेलन नदी में बांधों से पानी न छोड़ें। कमिश्नर ने कहा कि रीवा में बाढ़ प्रबंधन से जुड़े सभी कंट्रोल रूम 20 जून से शुरू हो जाएंगे।

बैठक में मिर्जापुर के कमिश्नर ने कहा कि रीवा के अधिकारियों को बाढ़ से जुड़ी सभी सूचनाएं समय पर दी जाएंगी। बांधों के आपरेशनल मैन्युअल उपलब्ध करा दिए जाएंगे। बाढ़ आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी अधिकारियों के मोबाइल नम्बरों का आदान-प्रदान कर व्हाट्सएप ग्रुप बना लें। इसमें सभी अधिकारी महत्वपूर्ण सूचनाएं दर्ज करेंगे। मिर्जापुर में 6 वर्षामापी केन्द्र बनाए गए हैं। इनसे नियमित रूप से वर्षा की जानकारी दी जाएगी। बैठक में रीवा के आईजी एमएस सिकरवार ने कहा कि बाढ़ से निपटने के लिए तैराक दल, नाव तथा अन्य व्यवस्थाएं कर ली गई हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों के थाना प्रभारी तथा जल संसाधन विभाग के अधिकारी समन्वय बैठक कर के एक-दूसरे से जानकारियाँ साझा करें। बैठक में जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता अशोक डेहरिया ने बताया कि सिरसी, मेजा तथा अदवा बांधों से बेलन नदी में 80 क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ने पर त्योंथर क्षेत्र में बाढ़ का प्रकोप होता है। इन बांधों को अगस्त माह के अंत में अधिकतम भरें। इन्हें एक-दो मीटर तक खाली रखकर भारी वर्षा में अधिक जल आवक का प्रबंधन किया जा सकता है। बांधों से पानी छोड़ने के कम से कम 6 घंटे पहले सूचना दे दी जाए। बैठक में डीआईजी साकेत प्रकाश पाण्डेय, कलेक्टर प्रतिभा पाल, अपर कमिश्नर अरूण परमार तथा जल संसाधन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। वर्चुअल माध्यम से बैठक में सीमावर्ती जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक तथा जल संसाधन विभाग के अधिकारी शामिल रहे।

पल्स पोलियो अभियान 23 जून को, पांच साल तक के बच्चों को पिलाई जाएगी दवा

कलेक्टर ने पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों के दिए निर्देश

रीवा। जिले में 23 जून को पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत नवजात से लेकर पांच साल तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। अभियान के प्रथम दिन जून को निर्धारित पोलियो बूथों में बच्चों को दवा पिलाई जाएगी। दवा पीने से वंचित बच्चों को 24 तथा 25 जून को घर-घर जाकर दवा पिलाई जाएगी। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने कहा कि पल्स पोलियो अभियान भारत के सफलतम अभियानों में से एक है। देश में वर्ष 2011 के बाद पोलियो का कोई भी रोगी नहीं मिला है। लेकिन देश के पड़ोस में पाकिस्तान और अफगानिस्तान देशों में अभी भी पोलियो के केस मिल रहे हैं। भावी पीढ़ी को पोलियो से पूरी तरह से बचाने के लिए जिले में 23 जून से 25 जून तक पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए समस्त तैयारियां सुनिश्चित कर लें। जिला तथा विकासखण्ड स्तर पर इसके लिए प्रशिक्षण आयोजित करें। अभियान की मॉनीटरिंग के लिए जिला और विकासखण्ड स्तर से दल तैनात करें। बूथ स्तर पर अधिकतम बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का प्रयास करें। सभी संबंधित विभाग पल्स पोलियो अभियान में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। पल्स पोलियो अभियान केवल एक चरण में आयोजित होगा। निर्धारित पोलियो बूथों के साथ-साथ बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन, बड़े बाजारों तथा खदानों में काम करने वाले मजदूरों के बच्चों को दवा पिलाने के लिए ट्रांजिट दल तैनात रहेंगे। कलेक्टर ने कहा कि सभी एसडीएम विकासखण्ड स्तर पर बैठक करके पल्स पोलियो अभियान की समीक्षा करें। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सभी ग्राम पंचायतों में मुनादी कराकर 23 जून को पोलियो की दवा पिलाने के संबंध में प्रचार-प्रसार करें। जिला शिक्षा अधिकारी प्रवेशोत्सव के कार्यक्रमों में पल्स पोलियो अभियान की तिथियों की जानकारी दें। आयुक्त नगर निगम शहर के विभिन्न वार्डों में कचरा संग्रहण वाहनों के माध्यम से 23 जून को पोलियो की दवा पिलाने का प्रचार-प्रसार कराएं। अभियान के शुभारंभ का राज्य स्तरीय कार्यक्रम जिला चिकित्सालय रीवा में आयोजित किया जाएगा।

पल्स पोलियो अभियान के संबंध में मीडिया कार्यशाला आज

रीवा। जिले भर में 23 जून से 25 जून तक पल्स पोलियो अभियान एवं 25 जून से 27 अगस्त तक स्वास्थ्य विभाग द्वारा दस्तक अभियान चलाया जाएगा। इन अभियानों के संबंध में जानकारी देने के लिए 20 जून को शाम 4 बजे से जिला अस्पताल के सभागार में मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने सभी संपादकों, ब्यूरो प्रमुख, संभागीय प्रतिनिधि तथा समाचार पत्रों एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के जिला प्रतिनिधियों से कार्यशाला में शामिल होने का अनुरोध किया है।

कुलगुरू आज दो दिवसीय योग प्रदर्शनी का करेंगे शुभारंभ

रीवा। जिले भर में 21 जून को विश्व योग दिवस मनाया जाएगा। केन्द्र सरकार के सूचना प्रसारण मंत्रालय के तहत संचालित क्षेत्र प्रचार कार्यालय रीवा द्वारा अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा में प्रदर्शनी लगाई जाएगी। प्रदर्शनी 20 एवं 21 जून को विश्वविद्यालय के योग चेतना केन्द्र में लगाई जा रही है। प्रदर्शनी का 20 जून को अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रोफेसर राजकुमार आचार्य प्रात: 10 बजे शुभारंभ करेंगे। प्रदर्शनी में आकर्षक चित्रों के माध्यम से विभिन्न योगाभ्यासों, प्राणायाम तथा अन्य योग क्रियाओं की जानकारी दी जाएगी।

योग दिवस के संबंध में कुलगुरू श्री आचार्य ने कहा है कि हर व्यक्ति स्वस्थ तन और स्वस्थ मन की इच्छा रखता है। इसे योग द्वारा सरलता से पूरा किया जा सकता है। हर व्यक्ति को स्वस्थ रहने के लिए नियमित योगाभ्यास करना चाहिए। क्षेत्र प्रचार इकाई रीवा द्वारा विश्वविद्यालय में लगाई जा रही चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से विभिन्न योग क्रियाओं, योग के इतिहास तथा प्रमुख आसनों की जानकारी दी गई है। आमजन 20 और 21 जून को इस प्रदर्शनी का अवलोकन करके लाभ उठा सकते हैं।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग का शिविर लगेगा 25 जून को

रीवा। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की बेंच 25 जून को सिरमौर में बच्चों के अधिकारों से जुड़े प्रकरणों की सुनवाई करेगी। शिविर में चिन्हित बच्चों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। इस संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती प्रतिभा पाण्डेय ने बताया कि शिविर में मुख्य रूप से सिरमौर तथा जवा विकासखण्डों के बच्चे शामिल होंगे। इनका पंजीयन सुबह 9 बजे से शुरू हो जाएगा। शिविर की कार्यवाही सुबह 10 बजे से आरंभ होगी। शिविर में बच्चों के आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड बनाने तथा अन्य योजनाओं से लाभान्वित करने की व्यवस्था की गई है। शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेडिकल बोर्ड की टीम के माध्यम से बच्चों के स्वास्थ्य की जाँच की जाएगी तथा दिव्यांगता प्रमाणपत्र जारी किए जाएंगे। छात्रवृत्ति वितरण, खाद्यान्न वितरण, शिक्षा का अधिकार अधिनियम तथा यौन दुर्व्यवहार के प्रकरणों की सुनवाई भी की जाएगी। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग भारत सरकार द्वारा सीपीसीआर अधिनियम 2007 के तहत गठित संवैधानिक निकाय है। आयोग का मुख्य उद्देश्य बच्चों को संविधान के विभिन्न प्रावधानों के तहत दिए गए अधिकारों का लाभ देने के लिए प्रत्येक बच्चे को सक्षम बनाना है। आयोग की बेंच सुनवाई के दौरान बच्चे, उसके माता-पिता, संरक्षक अथवा बच्चे की देखभाल करने वाले द्वारा प्रस्तुत शिकायतों की सुनवाई करेगी। शिविर में बालश्रम से मुक्त कराए गए बच्चों के पुनर्वास, एसिड हमले के पीड़ितों, निराश्रित बच्चों, शारीरिक दुर्व्यवहार और शोषण से पीड़ित बच्चों तथा घरेलू हिंसा के शिकार बच्चों के प्रकरणों की सुनवाई करेगी। शिविर में पुलिस द्वारा बच्चों के दुर्व्यवहार, अवैध दत्तक ग्रहण, बच्चों के खिलाफ हिंसा, बच्चे की तस्करी, सड़कों पर बेसहारा तथा भिक्षावृत्ति करने वाले बच्चों, दिव्यांगता से पीड़ित बच्चों की शिकायतों पर भी सुनवाई की जाएगी। बच्चों के कल्याण से जुड़ी योजनाएं तथा कार्यक्रम संचालित करने वाले सभी विभाग शिविर में उपस्थित रहेंगे।

खाद, बीज और कीटनाशक की जाँच के लिए दल तैनात

रीवा। खरीफ फसलों की बोनी के लिए किसान तैयारी कर रहे हैं। फसलों के लिए बड़ी मात्रा में खाद, बीज और कीटनाशकों की खरीद की जाएगी। इनकी गुणवत्ता के नियंत्रण के लिए जिला और विकासखण्ड स्तर पर दल तैनात किए गए हैं। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने दल के सदस्यों को खाद, बीज और कीटनाशकों के हर सप्ताह निर्धारित मात्रा में नमूने लेकर इनकी जाँच कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जाँच में नमूने अमानक पाए जाने पर संबंधित विक्रेता के विरूद्ध प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। जारी आदेश के अनुसार जिला स्तरीय निगरानी दल का प्रभारी अधिकारी एसडीओ कृषि डॉ बीपी सिंह को बनाया गया है। दल में महाप्रबंधक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, जिला विपणन अधिकारी श्रीमती शिखा सिंह वर्मा, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी एके पाण्डेय तथा वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी श्रीमती विनीता सिंह को शामिल किया गया है। सभी अनुभागों के एसडीओ कृषि, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी तथा कृषि विस्तार अधिकारी को सदस्य बनाया गया है। प्रत्येक विकासखण्ड में अनुविभागीय अधिकारी कृषि को प्रभारी बनाया गया है।

पत्थर खदान के लिए जन सुनवाई 23 जुलाई को

रीवा। मऊगंज जिले के हनुमना तहसील के ग्राम बीरादेई में 1.091 हेक्टेयर जमीन में पत्थर उत्खनन के लिए आवेदन दिया गया है। इसमें कुल 12 खसरा नम्बर शामिल हैं। खदान की मंजूरी के पूर्व इसकी पर्यावरणीय जन सनुवाई के लिए 23 जुलाई 2024 की तिथि निर्धारित की गई है। कलेक्टर मऊगंज के प्रतिनिधि के रूप में अपर कलेक्टर अशोक ओहरी ग्राम पंचायत भवन परिसर बीरादेई में 23 जुलाई को सुबह 10.30 बजे से सुनवाई करेंगे। सुनवाई में क्षेत्रीय अधिकारी मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड रीवा तथा खदान के लिए आवेदन करने वाली मेसर्स शिवकृपा एसोसिएट के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

विश्व योग दिवस के लिए की जा रही तैयारियाँ

रीवा। विश्व योग दिवस 21 जून को मनाया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम शासकीय मार्तण्ड उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक एक के प्रांगण में आयोजित किया जाएगा। योग से प्रत्येक व्यक्ति को जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विश्व योग दिवस के लिए आयुष विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है। विश्व योग दिवस के लिए की जा रही तैयारियों की जानकारी देते हुए जिला आयुष अधिकारी श्रीमती शारदा मिश्रा ने बताया कि

योग दिवस के लिए जिले भर के आयुष केन्द्रों में नियमित योगाभ्यास कराया जा रहा है। सभी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटरों में प्रतिदिन प्रात: काल योगाभ्यास कराया जा रहा है। हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर तमरादेश, दुआरी तथा सूरा में आज योगाभ्यास कराया गया। इसी तरह हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर अमिलिया, कटरा, पनवार, मनिकवार में भी योगाभ्यास का कार्यक्रम प्रतिदिन आयोजित किया जा रहा है। इनमें सूर्य नमस्कार सहित विभिन्न योग मुद्राओं तथा प्राणायाम का अभ्यास कराया जा रहा है। विश्व योग दिवस पर बड़ी संख्या में लोग भागीदारी करके योगाभ्यास करेंगे।

प्रवेशोत्सव के तहत विद्यालयों में आज भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन

रीवा। शाला जाने योग्य प्रत्येक बच्चे का शाला में प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए स्कूल चलं अभियान के तहत विद्यालयों में तीन दिवसीय प्रवेशोत्सव मनाया जा रहा है। प्रवेशोत्सव के अंतिम दिन आज 20 जून को भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिले के जनप्रतिनिधि विभिन्न क्षेत्रों के अग्रणी व्यक्ति, अधिकारी, समाजसेवी, खिलाड़ी, पत्रकार तथा गणमान्य नागरिक स्वयं द्वारा चुनी गई शाला में जाकर विद्यार्थियों को प्रेरक उद्बोधन देंगे। इन्हें शाला चयन के लिए ऑनलाइन लिंक की सुविधा उपलब्ध रहेगी। शाला में आमंत्रित व्यक्ति विद्यार्थियों को पठन-पाठन से संबंधित उपयोगी सामग्री भेंट भी कर सकते हैं। जिले के प्रथम तथा द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों की किसी एक शाला में ड्यूटी लगाई गई है जिसमें उन्हें विद्यार्थियों को पढ़ाना होगा।

सतना के चित्रकूट में भाजपा विधायक धरने पर बैठे, अपनी ही सरकार को घेरा

सतना। सिटी कोतवाली के एएसआई की प्रताड़ना से तंग आकर नाबालिग के खुदकुशी के मामले में मंगलवार को फिर तूल पकड़ लिया है। परिजन और ग्रामीण जैतवारा में शव रखकर प्रदर्शन कर रहे हैं और उनका साथ देने चित्रकूट के भाजपाई विधायक सुरेंद्र सिंह गहरवार भी उनके साथ धरने पर बैठ गए हैं। जैतवारा के गलबल निवासी पुष्पेंद्र प्रजापति उम्र 17 वर्ष की सोमवार को मौत हो गई थी। उसका शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा पाया गया था। परिजनों ने पुष्पेंद्र के खुदकुशी करने के पीछे एएसआई मुकेश सुमन की प्रताड़ना को कारण बताया था लिहाजा एसपी आशुतोष गुप्ता ने एएसआई को सस्पेंड कर दिया था। इस कार्रवाई के बाद मामला शांत हो गया था। हालांकि मंगलवार को परिजन शव लेकर जैतवारा पहुंच गए और उसे सड़क पर रख कर प्रदर्शन करने लगे। चित्रकूट से भाजपा के विधायक सुरेंद्र सिंह गहरवार भी मौके पर पहुंच गए और मामला निपटाने के बजाय खुद भी प्रदर्शनकारियों के साथ धरने पर बैठ गए।इस दौरान सत्ताधारी विधायक ने खुद अपनी ही सरकार के सिस्टम और पुलिस को कठघरे में खड़ा करते हुए सवाल उठाने शुरू कर दिए। विधायक गहरवार एएसआई मुकेश सुमन के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर मृतक के परिजनों को 50 लाख का मुआवजा देने की मांग पर अड़ गए। सीएसपी ने बताया कि एएसआई को सस्पेंड कर दिया गया है जिस पर विधायक ने तपाक से कहा कि सस्पेंशन से उसका क्या बिगड़ेगा। पुलिस ही अपराध कराती है। शराब बिकवाती है, पैकारी कराती है, चोरी कराती है। पुलिस ही अपराध करेगी तो क्या होगा। विधायक ने कहा कि मृतक का मोबाइल पुलिस को दिलाना चाहिए था लेकिन उसकी जगह एएसआई ने अपराध कर दिया।

कमिश्नर रीवा श्री डाड ने गूगल मीट से की आपदा प्रबंधन की समीक्षा

रीवा। कमिश्नर कार्यालय में गूगल मीट से रीवा संभाग के कमिश्नर गोपालचन्द्र डाड ने बाणसागर परियोजना से जुड़े जिलों में बाढ़ की स्थिति में राहत एवं बचाव तैयारियों की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि सभी जिलों के अधिकारी बाढ़ संभावित क्षेत्रों का दौरा करके 25 जून तक राहत एवं बचाव कार्य से जुड़ी तैयारियां पूरी कर लें। बाढ़ की स्थिति में राहत शिविर लगाने के लिये स्थान के चयन से लेकर बचाव दल, राहत के उपकरण, दवाओं, खाद्य सामग्री की आपूर्ति तथा बिजली एवं पानी की व्यवस्था से जुड़ी कार्यवाहियां सुनिश्चित करें। बाढ़ पर नियंत्रण के लिये समय पर सूचनाओं का आदान-प्रदान आवश्यक है। जिला तथा तहसील स्तर पर बाढ़ नियंत्रण केन्द्र स्थापित करके इनमें प्रशिक्षित कर्मचारी तैनात कर दें। सूचनाओं का एक दूसरे को लगातार आदान-प्रदान करते रहें।

वर्षा ऋतु में होने वाली बीमारियों से बचने की सलाह

रीवा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने वर्षा ऋतु में मुख्य रूप से दूषित जल के उपयोग से होने वाली बीमारियों से बचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि जिले में प्री मानसून वर्षा शुरू हो गई है। शीघ्र ही वर्षाकाल शुरू हो जाएगा। वर्षाकाल में दूषित जल के सेवन से टाइफाइड, पीलिया, डायरिया, पेचिस एवं हैजा जैसी बीमारियां फैलती हैं। अत: भोजन बनाने एवं पेयजल के उपयोग में शुद्ध उबला हुआ जल का उपयोग करें। कुछ भी खाने के पहले व शौच के पश्चात साबुन से अवश्य हाथ धोयें। शुद्ध पेयजल की कमी के कारण देश में जलजनित रोगों से सबसे अधिक यानि लगभग 80 प्रतिशत मौतें होती हैं। पानी और अस्वच्छ आदतों से फैलने वाली बीमारियों में मोटे तौर पर दस्त, कृमि संक्रमण, त्वचा और आंखों के रोग, मच्छरों एवं मक्खियों से फैलने वाले रोग सम्मिलित हैं। बच्चों में दूषित पानी और खाद्य पदार्थों के कारण उल्टी-दस्त का प्रकोप अधिक गंभीर रूप धारण कर सकता है। सड़े-गले फल एवं खाद्य पदार्थो का उपयोग न करें। खुले में शौच न करें एवं शौचालय का उपयोग करें। घर के आसपास साफ-सफाई रखें, दस्त लग जाने पर ओ.आर.एस. एवं जिंक सल्फेट गोली का उपयोग चिकित्सक की सलाह अनुसार करें। खाने-पीने की वस्तुओं को ढंककर रखें, मक्खियों से बचाव करें। हरी सब्जी एवं फलों को साफ पानी से धोकर ही उपयोग करें। मानसून के दौरान बहुत से लोगों को आंखो के रोग हो जाते हैं। इस रोग को आई-फ्लू, कंजक्टिवाईटिस या आखें आना के रूप में जाना जाता है। इस रोग से बचाव के लिए बार-बार अपने हाथ एवं चेहरे को ठंडे पानी से धोयें, परिवार के सभी सदस्य अलग-अलग तौलिये एवं रूमाल का उपयोग करें।

नियम विरुद्ध संचालित आटो पर पुलिस और परिवहन विभाग की सयुक्त कार्यवाही

रीवा। जिले में नगर पंचायतों एवं ग्रामीण क्षेत्रो से रीवा शहर में नियम विरुद्ध चलने वाले तीन पहिया ऑटो के खिलाफ़ लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थी। जिस पर यातायात,पुलिस और परिवहन विभाग ने थाना विश्वविद्यालय के सामने बैकुण्ठपुर सिरमौर मार्ग से गुजरने वाले ऐसे ऑटो के खिलाफ़ विशेष रूप से जांच अभियान चलाया, जिनका परमिट नगर पंचायतो के लिए है और वह ऑटो रीवा नगर निगम में सवारियों का परिवहन करते है,जिसकी वजह से शहर में यातायात व्यवस्था पर व्यवधान उत्पन्न होता है और मार्गों पर जाम की स्थिति बन जाती है।जाँच में ऐसे 20 आटो पर चालानी कार्यवाही की गई और 2 आटो मौक़े पर ही जप्त किए गए जिन्हें थाना विश्वविद्यालय में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया।जाच के दौरान सभी आटो को समझाइस भी दी गई कि,जिन आटो का परमिट नगर निगम से बाहर नगर पंचायतो के लिए है,वह शहर में परिवहन न करे,अन्यथा इनको बिना परमिट मानकर चालानी कार्यवाही की जायेगी। आज की जाँच में परिवहन विभाग के साथ यातायात पुलिस और विश्वविद्यालय पुलिस थाने का स्टाफ़ शामिल था आज की इस सैयुक्त जांच कार्यवाही में 25960 रुपये का राजस्व अर्जित किया गया।

श्री विधि से धान की रोपाई किसानों के लिये वरदान

रीवा

जिले में काफी बड़े क्षेत्र में धान की खेती की जाती है। अधिकतर किसान रोपा विधि से धान लगाते हैं। इसकी तुलना में मेडागास्कर विधि जिसे एस.आर.आई. श्री विधि कहा जाता है, से धान लगाना अधिक लाभकारी है। इसमें कम पानी, कम बीज और बिना खरपतवार के धान का अच्छा उत्पादन होता है। परम्परागत विधि से किसान को प्रति हेक्टेयर 20 से 25 क्विंटल धान की उपज मिलती है। इसकी तुलना में श्री विधि से धान लगाने पर प्रति हेक्टेयर 35 से 50 धक्कटल धान का उत्पादन होता है। उप संचालक यूपी बागरी कृषि ने किसानों से धान रोपण के लिये श्री विधि अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह तकनीक किसानों के लिये वरदान है।

उप संचालक यूपी बागरी ने बताया कि श्री विधि से प्रति हेक्टेयर केवल 6 से 8 किलो बीज की जरूरत होती है। इसे विशेष तरह की प्लेट अथवा पॉलीथीन में नर्सरी लगाकर तैयार किया जाता है। इसमें भुरभुरी मिट्टी तथा राख का होना आवश्यक है। इसके लिये 10 मीटर लम्बी तथा 5 से.मी. ऊंची क्यारी बनायें। इसमें 50 किलो नाडेप अथवा गोबर की खाद मिलाकर बीजों की बोनी करें। बोनी से पहले बीजों को थाईरम दवा से उपचारित करें। प्रत्येक क्यारी में 120 ग्राम बीज की बोनी करें। इन्हें ढंककर हल्की सिंचाई करें। धान रोपित करने के लिये खेत को गहरी जुताई करके उसके खरपतवार नष्ट करें। खेत में पर्याप्त पानी देकर रोपाई के लिये खेत तैयार करें। इसमें नर्सरी में तैयार धान के 15 से 21 दिन के पौधे रोपित करें। तैयार खेत में मार्कर हल की सहायता से 20-20 से.मी. दूरी पर निशान बनायें। इन निशानों पर धान का केवल एक पौधा रोपित करें।

उन्होंने किसानों को सलाह देते हुए कहा कि पौधे से पौधे तथा कतार से कतार की दूरी 2 से.मी. रखें। पौधों के बीच में पर्याप्त अंतर होने पर उन्हें पर्याप्त हवा तथा नमी प्राप्त होगी। कतार में पर्याप्त दूरी रहने पर खरपतवार होने की स्थिति में कोनावीडर की सहायता से इन्हें आसानी से निकालकर खाद बनायी जा सकती है। मृदा हेल्थ कार्ड में खेत की मिट्टी में पोषक तत्वों के अनुसार खाद का उपयोग करें। इसमें गोबर की खाद नाडेप तथा वर्मी खाद का अधिक उपयोग करें। धान रोपित करने के 15 दिन बाद कम मात्रा में यूरिया का छिड़काव किया जा सकता है। श्री विधि से धान लगाने पर खेत में पानी भरने की जरूरत नही होती है। लेकिन खेत में नमी बनी रहे इसकी व्यवस्था करें। जिस समय धान के पौधो में वृद्धि हो रही हो उस समय खेत को 2 से 3 दिनों के लिये सूखा छोड़ देना चाहिये। इसके बाद पुन: हल्की सिंचाई करके खेत को नम करना चाहिये। इस विधि से किसान 35 से 50 धक्कटल तक धान प्राप्त कर सकते हैं। इसके संबंध में किसान कृषि विस्तार अधिकारी से भी जानकारी प्राप्त कर सकते है।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

दसवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2024

'स्वयं एवं समाज के लिए योग'
'Yoga for Self and Society'

संपूर्ण प्रदेश में जिला, विकासखंड एवं पंचायत स्तर पर

सामूहिक योग अभ्यास कार्यक्रम
एवं
श्रीअन्न संवर्धन अभियान का शुभारंभ

प्रधानमंत्री
नरेन्द्र मोदी
द्वारा उद्बोधन
(वर्चुअल माध्यम से)

मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

21 जून, 2024 | प्रात: 6 बजे
लाल परेड ग्राउंड, भोपाल

योग - विश्व को भारत का उपहार

- भारत योग विद्या की जन्मभूमि है, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य एवं जीवन के समग्र विकास में योग के प्रमाणित प्रभावों के दृष्टिगत हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र में योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनाने का आह्वान किया गया।
- संयुक्त राष्ट्र द्वारा इसे मान्य किया गया और तब से प्रत्येक वर्ष विश्वभर में 21 जून का दिन अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- योग सभी के लिए संभव है और सभी की मदद करता है।
- योग जीवन और मन को व्यवस्थित करने का आध्यात्मिक तरीका है।

श्रीअन्न (मिलेट्स) उत्पादन में अग्रणी मध्यप्रदेश

- रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना में किसानों को कोदो-कुटकी उत्पादन पर प्रति क्विंटल रु. 1000 की प्रोत्साहन राशि।
- मिलेट्स उत्पादन का क्षेत्रफल 67 हजार हेक्टेयर से बढ़कर हुआ 1 लाख हेक्टेयर से अधिक।
- प्रदेश के बालाघाट, छिंदवाड़ा, जबलपुर, कटनी, मंडला, डिंडौरी, नरसिंहपुर और सिवनी जिले मिलेट्स उत्पादन में आगे।

"योग सही जीवन जीने का विज्ञान है। यह जीवन से जुड़े भौतिक, मानसिक, भावनात्मक, आत्मिक और आध्यात्मिक सभी पहलुओं पर कार्य करता है। आइये, आध्यात्मिक उन्नयन, शारीरिक व मानसिक सशक्तिकरण एवं 'ऊर्जावान व स्वस्थ भारत' के निर्माण हेतु योग को अपने जीवन में अपनाएं, इसके प्रति अन्य लोगों को भी जागरूक करने हेतु संकल्पित हों।"

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पना : म.प्र. माध्यम/2024

सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP

मध्यप्रदेश शासन

D-11021/24

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी , आर.एन.आई नं. 47589/88 , डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833